संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 29
पृष्ठ 8
बुधवार
15 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मिनटों में गायब होंगे चेहरे के पिंपल्स...

विचार- दलितों पर बौद्ध धर्मांतरण का प्रभाव

खेल- गंभीर का श्रीकांत पर पलटवार: कहा...

मंगोलिया के नागरिकों को निशुल्क ई–वीजा देगा भारत: मोदी

मंगोलिया, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को मंगोलिया के विकास में मजबूत और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के मौके पर मंगोलिया के नागरिकों के लिए निशुल्क ई –वीजा की घोषणा की है। श्री मोदी ने भारत की यात्रा पर आए मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हुरेलसुख की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और रणनीतिक भागीदारी के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह वर्ष के बाद मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत आना अपने आप में एक बहुत विशेष अवसर है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि भारत मंगोलिया के नागरिकों को निःशुल्क ई–वीजा देगा और हर वर्ष मंगोलिया से युवा कल्चरल एम्बेसडर्स की भारत यात्रा की भी व्यवस्था करेगा। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दस वर्ष पहले हुई रणनीतिक साझेदारी का विस्तार हुआ है और यह प्रगाढ हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत और मंगोलिया के संबंध केवल राजनयिक नहीं है यह हमारे बीच आत्मीय और आध्यात्मिक बंधन है। हमारे संबंधों की असली गहराई और व्यापकता हमारे लोगों के बीच संपर्क में दिखाई पड़ती है। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच अध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों– सारिपुत्र और मौद्गल्या–यन के पवित्र अवशेष भारत से मंगोलिया भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत मंगोलिया की 'गंदन मॉनेस्टेरी' में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेगा ताकि वहां के बौद्ध ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया जा सके और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके। श्री मोदी ने मंगोलिया में बौद्ध धर्म के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की अहम भूमिका का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि नालंदा और 'गंदन मॉनेस्टेरी' को साथ जोड़कर हम इस ऐतिहासिक संबधो में एक नयी उर्जा लायेंगे। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने वृक्षारोपण भी किया। श्री मोदी ने कहा, राष्ट्रपति हुरेलसुख ने अपनी स्वर्गीय माताजी के नाम पर जो वटवृक्ष लगाया है, वह आने वाली कई पीढ़ियों तक हमारी गहरी मित्रता और पर्यावरण के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक रहेगा।

ग्राम पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं, ग्रामीण विकास की आत्मा है : योगी

पंचायतों को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने के लिए पारदर्शिता, तकनीक और संसाधनों के उपयोग पर बल

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राम पंचायतों को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्यों से नवाचारों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है। पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं बल्कि ग्रामीण विकास की आत्मा हैं। इनको आत्मनिर्भर बनाने के लिए पारदर्शिता, तकनीक और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पंचायतों की स्वनिधि बढ़ाने के लिए विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय कर एवं यूजर चार्ज संग्रह की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है। पंचायतों की आय वृद्धि के लिए विभिन्न नवाचारों पर कार्य जारी है। पारदर्शिता और तकनीकी उपयोग के माध्यम से ग्राम पंचायतों की राजस्व प्राप्ति और जनसेवा की गुणवत्ता दोनों में सुधार सुनिश्चित किया जाए। विकास प्राधिकरणों के अतिरिक्त जिला पंचायतों के अधीन क्षेत्रों में भवन मानचित्र स्वीकृति के लिए जिला पंचायतों के पास दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता होनी चाहिए। प्रत्येक जिला पंचायत में सिविल इंजीनियर अथवा आर्किटेक्ट की तैनाती की व्यवस्था की जाए, जिससे स्थानीय निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाने के लिए ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्र खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड निर्माण, संशोधन, बायोमेट्रिक अपग्रेडेशन आदि कार्यों के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे नागरिकों को सुविधा मिले और मिलने वाले शुल्क से ग्राम पंचायत की आय में भी वृद्धि हो।बैठक में बताया गया कि पंचायती राज विभाग द्वारा तालाबों पोखरों की सूचीकरण, उपयोग नीति पर कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत तथा जिला पंचायत के अधीन तालाबों पोखरों का समयबद्ध पट्टा किया जाए और इनसे प्राप्त राशि को हर घर नल, जल संरक्षण तथा ग्राम्य हित के कार्यों में ही उपयोग किया जाए। उन्होंने स्पष्ट नियमावली तैयार करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम पंचायतों के पास जितनी अधिक स्व–वित्तीय क्षमता होगी, उतनी ही तेजी से ग्रामीण विकास के कार्य आगे बढ़ेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत प्रतिनिधियों को वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल सेवा वितरण और जनसुविधा संचालन के विषय में प्रशिक्षण दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि "ग्राम पंचायतों की समृद्धि ही आत्मनिर्भर भारत की नींव है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर ग्राम पंचायत सेवा, स्वच्छता और स्वावलंबन की प्रतीक बने।"

'ऑपरेशन सिंदूर' आधुनिक युद्ध विज्ञान का प्रमाण : ज्योतिरादित्य सिंधिया

ग्वालियर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, और सिंधिया स्कूल के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष, ज्योतिरादित्य सिंधिया, ने ऐतिहासिक ग्वालियर किले पर आयोजित स्कूल के 128वें संस्थापक दिवस को संबोधित किया। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में यह समारोह, देश के रक्षा सिद्धांत, आधुनिक युद्ध रणनीति और 21वीं सदी के सोल्जरिंग (सैनिक मूल्यों) पर गंभीर चिंतन का केंद्र बन गया। सिंधिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और परिणाम पर बात करते हुए कहा कि भारतीय सैन्य दलों के इस ऑपरेशन से भारत की सैन्य मुद्रा में एक ऐतिहासिक बदलाव आया है, जो शक्ति के नए सिद्धांतों के रूप में सटीकता (च्तमबपेपवद), सिद्धांत (च्तपदबपचसम), और धैर्य (च्जपमदबम) को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि एक संदेश था कि हमारे सैनिक साहस एवं संप्रभुता की रक्षा, न्याय को कायम रखना और निर्दोषों की सुरक्षा के स्पष्ट उद्देश्य के साथ प्रहार करते हैं। उन्होंने खुलासा किया कि ऑपरेशन में, अंतरिक्ष–आधारित संपत्तियों, उन्नत ड्रोन एकीकरण और अत्यंत गोपनीयता के साथ क्रियान्वयन कर बिना किसी नागरिक मौत के कई आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि दुश्मन राष्ट्र को नुकसान को छिपाने के लिए हमले के बाद सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करने पर मजबूर हो गया था जिसमें साफ तौर पर हैंगरों को कवर करते हुए दिखाया गया था। सिंधिया ने ऑपरेशन के नाम श्सिंदूरश पर के नाम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह नाम सनातन और भारतीय परंपरा से लिया गया है। सिंदूर भारतीय संस्कृति में गरिमा और हमारी सभ्यता की जीवन शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ष्यह आधुनिक युद्ध का नया विज्ञान है जो प्रौद्योगिकी में निहित है और कालातीत मूल्यों द्वारा निर्देशित है।

आजम खान का ल सुरक्षा से इनकार, बोले-

आर्थिक तंगी, 36 लाख का जुर्माना और गाड़ी भी नहीं

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान ने मंगलवार को सीतापुर जेल से रिहाई के बाद वाई–स्तरीय सुरक्षा स्वीकार करने पर आशंका जताई और सरकार से लिखित आश्वासन मांगा कि उन्हें किस तरह की सुरक्षा प्रदान की जा रही है। खान ने एएनआई को बताया कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। मैंने कांस्टेबल से यह भी कहा कि जब तक मुझे लिखित आश्वासन नहीं मिलता कि मुझे सुरक्षा दी गई है, मैं इसे स्वीकार नहीं कर पाऊंगा। सपा नेता ने कहा कि उन्हें सौंपी गई सुरक्षा की प्रामाणिकता पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे हालात ने मुझे कम से कम इतना तो सिखाया है कि सरकारी ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा हुआ है जिसे सरकार ने हटा दिया है... ज़मीन का आवंटन सरकार ने किया था, लेकिन मुझे ही 21 साल की जेल और 36 लाख का जुर्माना मिला। जब तक मुझे लिखित आश्वासन नहीं मिलता कि सुरक्षा किसने दी है, मैं सुरक्षा कैसे ले सकता हूँ? मैं कैसे भरोसा कर सकता हूँ कि खाकीधारी, हथियारबंद लोग उत्तर प्रदेश सरकार के हैं? सपा नेता ने आगे दावा किया कि 36 लाख रुपये का जुर्माना लगने के बाद वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और सौंपी गई सुरक्षा के लिए गाड़ी भी नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह है कि मेरी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि मैं अपनी सुरक्षा के लिए गाड़ी का इंतज़ाम कर सकूँ, इसलिए मैंने यह भी कहा है कि अगर आप सुरक्षा दे रहे हैं तो मेरे पास गाड़ी नहीं है। वाई सिक्योरिटी में गाड़ी, पेट्रोल, सब कुछ मुहैया कराने का प्रावधान है, जो मुझे नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा, पहले, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सरकार में चर्चा चल रही थी कि जब मुझे पहली बार वाई स्तर की सुरक्षा मिली थी, तब मुझे दोषी नहीं ठहराया गया था, लेकिन अब जब मुझे 21 साल की कैद और 36 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई है और कई मामले दर्ज हैं... ।

बिना गारंटी दस करोड़ का ऋण देगी दिल्ली सरकार : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि उद्यमियों को बिना किसी गारंटी के दस करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध करायेगी। श्रीमती गुप्ता ने मंगलवार को यहां श्पहले इंडिया फाउंडेशनश द्वारा आयोजित श्भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करनेश विषय पर रिपोर्ट विमोचन में कहा कि यह रिपोर्ट अनगिनत महिलाओं की जीवंत कहानियों का दस्तावेज़ है जिन्होंने सीमित साधनों में भी अपनी मेहनत, संकल्प और आत्मविश्वास से सफलता की नई मिसालें रची हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत की आधी आबादी केवल सहभागिता नहीं कर रही बल्कि राष्ट्रनिर्माण की अगुवाई कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने उद्यमिता को नई उड़ान देने के लिए बिना किसी कोलेट्रल सिक्योरिटी के दस करोड़ तक का लोन देने की पहल की है। यह योजना विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों के लिए आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का सशक्त माध्यम बनेगी।

न्याय पाने को भटक रहा है पूरन कुमार का परिवार : प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि आत्महत्या करने वाले हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिवार के सदस्य न्याय पाने के लिए दर दर भटक रहे हैं लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। श्रीमती वाड्रा ने मंगलवार को यहां सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाना चाहिए लेकिन परिवार के लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। वे दर दर की ठोकरें खा रहे हैं मगर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है। उन्होंने लिखा हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने हाल ही में जातिगत उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। उनका परिवार न्याय के लिए भटक रहा है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह पूरा प्रकरण इस बात का सबूत है कि भाजपा राज में ऊंचे पदों पर पहुंचकर भी दलित समाज के लोग सुरक्षित नहीं हैं और न ही उनके लिए न्याय है। ऐसी शर्मनाक घटनाएं देश और समाज के लिए कलंक हैं। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चंडीगढ़ में वाई पूरन कुमार के परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनका दुख साझा करते हुए इस मामले में सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

अमित शाह बोले: धारा 370 से सर्जिकल स्ट्राइक तक, हमने आतंकवाद की कमर तोड़ी है

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि केंद्र ने आतंकवादी खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) में संशोधन और तीन नए आपराधिक कानूनों में आतंकवाद को परिभाषित करना शामिल है। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 41वें स्थापना दिवस पर एक सभा को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि केंद्र ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) जैसे समूहों पर प्रतिबंध लगा दिया है और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए जांच तकनीकों को भी बढ़ाया है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारे देश ने आतंकवाद के विरुद्ध शून्य–सहिष्णुता की नीति अपनाई है। 2019 से, हम देश को आतंकवादी खतरों से बचाने के लिए एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं। हमने यूएपीए में संशोधन किया, एनआईए अधिनियम में संशोधन किया, आतंकवादी समूहों के वित्तपोषण की जाँच के लिए पीएमएलए और ईडी को सक्रिय किया, आतंकवादी वित्तपोषण की वैज्ञानिक जाँच के लिए एक प्रणाली स्थापित की, पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया, एमएसी को मजबूत किया, सीसीटीवी और नेटग्रिड के माध्यम से देश भर की जाँच एजेंसियों के साथ राष्ट्रीय डेटा साझा करने की पहल की। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2023 में पेश किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों ने पहली बार आतंकवाद को परिभाषित किया है। शाह ने कहा कि केंद्र ने 57 से अधिक व्यक्तियों और विभिन्न संगठनों को आतंकवादी घोषित किया है और उनकी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने से लेकर सशस्त्र बलों द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर तक, भारत आतंकवादियों के संवेदनशील ठिकानों पर प्रहार करने में कामयाब रहा है। शाह ने कहा कि पहली बार, हमने तीन नए आपराधिक कानूनों में आतंकवाद को परिभाषित किया है और अदालतों में पहले पाई गई खामियों को दूर किया है। अब तक, हमने 57 से ज़्यादा व्यक्तियों और कई संगठनों को आतंकवादी संगठन घोषित किया है।

कनाड़ा के साथ संबंधों को पटरी पर लाने के लिए सकारात्मक सोच से काम कर रहा है भारत : जयशंकर

नयी दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और कनाड़ा के बीच द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हो रही है और भारत संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के लिए सकारात्मक सोच से आगे बढ रहा है। भारत और कनाड़ा के विदेश मंत्रियों ने सोमवार को यहां विस्तार से बैठक की और व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, असैन्य परमाणु सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत की तीन दिन की यात्रा पर आई कनाड़ा की विदेश मंत्री अनीता आनंद और विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक सोच के साथ आगे बढना है। डा. जयशंकर ने वार्ता के दौरान अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि पिछले कुछ महीनों में भारत–कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, हम अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक तंत्रों को फिर से स्थापित और सक्रिय करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री कनाड़ा के प्रधानमंत्री कार्नी के साथ कनानसकीस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की बात को दोहराया और कहा कि भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना है। विदेश मंत्री ने कहा कि आज सुबह प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान भी आपको भारत के दृष्टिकोण और उसे साकार करने की सकारात्मक सोच का पता चला होगा। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, असैन्य परमाणु सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है। डा.जयशंकर ने कनाड़ाई विदेश मंत्री के साथ मिलकर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि विदेश मंत्री के रूप में उन दोनों की ज़िम्मेदारी परस्पर सहयोग को मजबूत बनाने की प्रक्रिया का नेतृत्व करना और यह सुनिश्चित करना है कि यह दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की अपेक्षाओं और लोगों के हितों पर खरा उतरे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्र से रैगिंग, हॉस्टल की छत पर मुर्गा बनाकर पीटा, मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फिर रैगिंग की घटना सामने आई है। इस बार आरोपियों ने हॉस्टल की छत पर ले जाकर छात्र को पीटा। कौशाम्बी के रहने वाले छात्र की शिकायत पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फिर रैगिंग की घटना सामने आई है। इस बार आरोपियों ने हॉस्टल की छत पर ले जाकर छात्र को पीटा। कौशाम्बी के रहने वाले छात्र की शिकायत पर पुलिस ने तीन

आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। आरोप है कि छात्रावास में रहने वाले तीन छात्र अमन, जितेंद्र और राघवेंद्र ने विश्वविद्यालय के एक छात्र के साथ रैगिंग की। उसको जबरन हॉस्टल की छत पर खींच ले गए। मुर्गा बनाकर उसकी पिटाई की। छात्र की शिकायत के बाद हड़कंप मच गया। तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बता दें कि पिछले दिनों भी रैगिंग की शिकायत पर कई छात्रों के खिलाफ विश्वविद्यालय प्रशासन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय से निष्कासित कर दिया था। विवि में रैगिंग की घटना रुकने का नाम नहीं ले रही है।

सक्षम प्राधिकारी के वैध आदेश की अवहेलना में की गई कार्रवाई शून्य, नहीं दे सकते मान्यता- हाइकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी के वैध आदेश की अवहेलना में की गई कोई भी कार्रवाई शून्य है और उसे मान्यता नहीं दे सकते। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने जौनपुर के डीआईओएस के वैध स्थगन आदेश का उल्लंघन कर कराए गए प्रबंध समिति के चुनाव को मान्यता देने से इन्कार कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी के वैध आदेश की अवहेलना में की गई कोई भी कार्रवाई शून्य है और उसे मान्यता नहीं दे सकते। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने जौनपुर के डीआईओएस के वैध स्थगन आदेश का उल्लंघन कर कराए गए प्रबंध समिति के चुनाव को मान्यता देने से इन्कार कर दिया और याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह की एकल पीठ ने जौनपुर के केराकत स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज की प्रबंध समिति की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याची विद्यालय की प्रबंध समिति और प्रतिवादी ने 2025–26 सत्र के चुनाव के लिए अलग–अलग सदस्यता सूची जारी की। सहायक निबंधक, फर्म्स, सोसाइटीज और चिट्स, वाराणसी ने सदस्यता सूची पर दोनों पक्षों से स्पष्टीकरण मांगा।

सदस्यता सूची में विवाद के चलते जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) ने 22 मई 2025 को एक आदेश पारित कर 23 मई 2025 को होने वाले चुनाव को स्थगित कर दिया। इसके बावजूद याचियों ने स्थगन आदेश की अवहेलना करते हुए कॉलेज परिसर के बजाय निजी निवास पर चुनाव कराया। चुनाव को मान्यता देने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। कोर्ट ने माना कि डीआईओएस ने विवादित मतदाता सूची के कारण चुनाव पर रोक लगाने का फैसला अपने अधिकार क्षेत्र में लिया था। कोर्ट ने डीआईओएस के स्थगन आदेश के बाद भी कराए गए चुनाव को अवैध और शून्य घोषित कर दिया। कोर्ट ने सहायक निबंधक, फर्म्स, सोसाइटीज और चिट्स को चार सप्ताह के भीतर सदस्यता सूचियों की जांच करने और वैध सदस्यता सूची का निर्धारण करने का निर्देश दिया। सहायक निबंधक ने सत्यापित सूची के अनुसार नए सिरे से चुनाव कराने के लिए उचित निर्देश पारित करेंगे। कोर्ट ने बैंक खाता के एकल संचालन का आदेश बरकरार रखा, ताकि कर्मचारियों के वेतन का भुगतान जारी रहे।

कोर्ट परिसर के आसपास सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे या नहीं, वाहन चोरी की घटनाओं पर अदालत सख्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज के पुलिस आयुक्त को कोर्ट परिसर के आसपास के सुरक्षा इंतजामों की जांच करने का आदेश दिया है। साथ ही व्यक्तिगत हलफनामे तलब कर पूछा है कि चोरी की बढ़ी घटनाओं को लेकर पुलिस क्या कर रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज के पुलिस आयुक्त को कोर्ट परिसर के आसपास के सुरक्षा इंतजामों की जांच करने का आदेश दिया है। साथ ही व्यक्तिगत हलफनामे तलब कर पूछा है कि चोरी की बढ़ी घटनाओं को लेकर पुलिस क्या कर रही है। कोर्ट परिसर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं या नहीं? यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने अधिवक्ता सुशील कुमार की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याची ने दलील दी कि कोर्ट परिसर से भार में उनका वाहन चोरी हुआ। एफआईआर दर्ज कराई गई लेकिन पुलिस आज तक बरामदगी नहीं कर सकी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2023-24 सी0बी0 एस0सी0 बोर्ड कक्षा- 12 की उत्तीर्ण का जारी ट्रान्सफर सर्टिफिकेट (टी0सी0) भूलवश कहीं खो गयी है, जो काफी ढूढ़ने पर भी नहीं मिली। उक्त टी0सी0 को कहीं भी किसी शैक्षिक विद्यालय संस्थान में नहीं लगायी है। अतः उक्त टी0सी0 को द्वितीय प्रति जारी किया जाना नितान्त आवश्यक है।

अर्पिता यादव
पुत्री घनश्याम सिंह
पता- ग्राम- बथुई, पोस्ट- अर्का महावीरपुर, सराय युसुफ, जिला- कौशाम्बी (उ.प्र.)

रातभर एचआरआई परिसर में तेंदुए ने मचाया उधम, पिंजड़ा रह गया खाली

प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र के छतनाग वार्ड इलाके में स्थित हरिश्चंद्र शोध संस्थान में तीन दिन से घुसा तेंदुआ अब तक वन विभाग की पकड़ में नहीं आ सका है।

झूंसी थाना क्षेत्र के छतनाग वार्ड इलाके में स्थित हरिश्चंद्र शोध संस्थान में तीन दिन से घुसा तेंदुआ अब तक वन विभाग की पकड़ में नहीं आ सका है। तेंदुए को दबोचने के लिए रविवार को परिसर के भीतर वॉच टावर एक और नौ पर लगाए गए पिंजड़े सोमवार को खाली दिखे। इस बीच पता चला है कि रविवार की देर रात को हरिश्चंद्र शोध संस्थान परिसर के भीतर घने जंगल में घुसा तेंदुआ एक बार फिर बाहर निकला और जगह–जगह चहल कदमी कर उधम मचाया। इससे वहां पर तैनात सुरक्षाकर्मियों में खलबली मची रही। आनन फानन में परिसर के भीतर मौजूद वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों तक यह जानकारी दी गई कि वह सभी अपने–अपने कमरों के भीतर रहें। बाहर निकालने की कोशिश न करें। वन विभाग की टीम ने सोमवार एक बार फिर तेंदुए को दबोचने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान जंगल के भीतर कुछ जगहों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। वन विभाग के अफसर की माने तो अब तक परिसर के भीतर घुसा तेंदुआ उन्हें नजर नहीं आया है। परिसर के भीतर तैनात सुरक्षाकर्मियों के मुताबिक ही उन्हें जानकारी मिल पा रही है कि भीतर तेंदुआ घुसा हुआ है।

परिसर के भीतर कई जगह

मिले तेंदुए के पैर के निशान

हालांकि वनकर्मियों का यह भी कहना है कि परिसर के भीतर जंगल की ओर कुछ जगहों पर तेंदुए के पैरों के निशान भी मिले हैं। इसी के आधार पर उसकी तलाश की जा रही है। सोमवार को वन विभाग की टीम ने फूलपुर के वन क्षेत्राधिकारी लक्ष्मीकांत दुबे एवं उप वन क्षेत्राधिकार सत्येंद्र चौधरी की अगवाई में जंगल के भीतर कुछ जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए। अफसरों का मानना है कि जब तक तेंदुए की लोकेशन ट्रेस नहीं हो पाएगी तब तक उसे पकड़ना आसान नहीं है।

इसी बीच पता चला है कि रविवार की रात तकरीबन एक बजे हरिश्चंद्र शोध संस्थान परिसर के भीतर घुसा तेंदुआ बाहर निकल आया था। वह तैनात सुरक्षाकर्मियों की नजर जब सड़क पर घूम रहे तेंदुए पर पड़ी तो वे सन्न रह गए। तत्काल तेंदुए की जानकारी परिसर के भीतर बने कंट्रोल रूम को दी गई। लोगों को भी अपने अपने कमरों के भीतर ही रहने को ताकीद किया गया। तेंदुए की तलाश में वन विभाग का सर्च ऑपरेशन दिन ढलने तक जारी था। इसके बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग सका था।

एचआरआई के निदेशक बोले –सुरक्षा कर्मियों और वैज्ञानिकों को सचेत रहने का निर्देश

एचआरआई के निदेशक उज्जवल सेन ने बताया कि परिसर के भीतर तेंदुए की मौजूदगी के कारण लगातार भय बना हुआ है। कैंपस के भीतर रहने वाले वैज्ञानिक, उनके परिवार और शोधार्थी भी डरे सहमे में हैं। हालांकि उन्होंने वन विभाग की ओर से चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन को संतोषजनक बताया। कहा कि वन विभाग के अफसर और कर्मचारी लगातार सर्च ऑपरेशन चलाकर तेंदुए को पकड़ने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन सफलता नहीं मिल पा रही है। निदेशक उज्जवल सेन ने बताया कि परिसर के भीतर तेंदुए के पैरों के निशान भी देखे गए हैं। इससे यह साफ है कि परिसर के भीतर जंगल में तेंदुआ ही घुसा हुआ है।

उन्होंने बताया कि परिसर के भीतर तेंदुए की मौजूदगी के कारण लगातार सतर्कता बरती जा रही है। सुरक्षा गार्डों को भी 24 घंटे सचेत रहने को कहा गया है। वैज्ञानिकों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही साथ शोधार्थियों को भी अपने–अपने कमरों के दरवाजे और खिड़की बंद रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। बताया कि आज वन विभाग परिसर के भीतर घने जंगल में सीसीटीवी कैमरे लग रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही तेंदुआ पकड़ा जाएगा।

शंकराचार्य निश्चलानंद बोले- सनातन धर्म पर टिप्पणी करना अनुचित एवं अशोभनीय

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस पर अधिवक्ता द्वारा उछाले गए जूते को लेकर किए गए प्रश्न पर उनका कहना था कि यह किसी भी सूरत में उचित नहीं है। इस घटना से सनातन धर्म का उपहास उड़ाने वालों को सबक जरूप लेना चाहिए।

गोवर्धनमठ पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद जी महाराज ने कहा है कि सनातन धर्म पर टिप्पणी करना अनुचित एवं अशोभनीय है। पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने यह बातें अपने प्रवास के तीसरे दिन सोमवार नई झूंसी के शिवगंगा आश्रम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस पर अधिवक्ता द्वारा उछाले गए जूते को लेकर किए गए प्रश्न पर उनका कहना था कि यह किसी भी सूरत में उचित नहीं है। इस घटना से सनातन धर्म का उपहास उड़ाने वालों को सबक जरुर लेना चाहिए।

कहा कि न्याय तंत्र के शिखर पर बैठे व्यक्ति जब संवैधानिक पद की गरिमा एवं मर्यादा का ध्यान नहीं रखेंगे तो ऐसी घटनाओं का होना कोई अतिशियोक्ति नहीं है। पुरी शंकराचार्य ने आगे कहा कि सनातन ही ऐसा धर्म है जो हर किसी को उदार और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसपर अनुचित टिप्पणी की जाए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ वॉर छेड़ने के सवाल पर पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि वह आज अगर वहां के सर्वोच्च पद पर आसीन है तो वह भारतवंशियों की ही देन है। अगर अमेरिका में रहने वाले भारतवंशियों ने उन्हें भारी संख्या में मतदान न किया होता तो उनका राष्ट्रपति बनना असंभव था।

ट्रंप को बताया विशुद्ध व्यापारी, चीन चालबाज देश

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शायद यह भूल गए हैं कि वह किसकी बदौलत सत्ता पर आसीन है। पुरी शंकराचार्य ने उन्हें विशुद्ध व्यापारी और चीन को चालबाज देश करार दिया। कहा कि दोनों देश भरोसेमंद नहीं हैं। कहा कि भारत इन दोनों देशों की कुटिल चालें समझता है। कूटनीति में माहिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक पटल पर जज्बाती चालें न चलकर परिपक्वता का परिचय दे रहे हैं।

महाकुंभ के बाद इस साल लगने वाले माघ मेले के प्रश्न पर पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद ने कहा कि गंगा मां और लक्ष्मी देवी की कृपा से मेला प्रशासन इस बार मेले की पूरी तैयारी कर लेगा। कहा कि महाकुंभ के बाद लगने वाले माघ मेले में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहेगी। पुरी शंकराचार्य के प्रवास के तीसरे दिन भी भारी संख्या में उनके भक्त उनका आशीर्वाद लेने आश्रम पहुंचे। इस दौरान पुरी शंकराचार्य ने भक्तों के भी धर्म और आध्यात्म से जुड़े प्रश्नों पर उनकी शंकाए दूर की। पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज 17 अक्टूबर तक अपने नई झूंसी स्थित शिवगंगा आश्रम में प्रवास करेंगे।

नैनी की समस्याओं को लेकर नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

नैनी, प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज में आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम में मंगलवार को अवंतिका कॉलोनी नैनी के निवासियों ने सामूहिक रूप से अपनी विभिन्न समस्याओं को नगर आयुक्त के समक्ष रखा और समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम में समाजसेवी सुनील श्रीवास्तव ने कॉलोनी की जर्जर सड़कों के जीर्णोद्धार की माँग की। उन्होंने बताया कि खराब सड़कों के कारण लोगों को आवागमन मे भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सेक्टर संयोजक सुनील साहनी ने कॉलोनी के 57 पार्कों में लगे वृक्षों की छंटाई न होने की शिकायत दर्ज कराया। महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मीना जायसवाल ने बुझी हुई स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने और संबंधित कर्मचारियों की उदासीनता पर कड़ी नाराज़गी जताई। बूथ अध्यक्ष संजीव गुप्ता ने कॉलोनी स्थित पार्कों के रखरखाव की बदहाल स्थिति पर ध्यान आकर्षित कराया और नियमित सफाई व रखरखाव की माँग की। जनसुनवाई में सुरेश रावत, बी.के. राय और सुषमा विश्वकर्मा ने गृहकर संशोधन से संबंधित शिकायतों पर चर्चा करते हुए बताया कि जोन–5 कार्यालय में आवेदन देने के बावजूद अब तक किसी प्रकार की सूचना भवन स्वामियों को नहीं दी गई है। पत्रकार जगदम्बा शुक्ल ने आवासीय क्षेत्र की खराब सड़कों की ओर ध्यान दिलाते हुए नगर निगम प्रशासन से तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कराने की माँग की। जनसुनवाई में नगर निगम विद्युत विभाग की खराब लाइटो के बदले नयी लाइटें लगाने और पार्कों के खराब हाई मास का पुनरोद्धार करने की भी मांग की गयी। नगर आयुक्त ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मौके पर मुख्य अभियंता (विद्युत) ने अवर अभियंता को निर्देशित किया कि कॉलोनी की खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल बदला जाए। कार्यक्रम में जोन–5 के जोनल अधिकारी त्रिपाठी जी ने अवंतिका कॉलोनी वासियों से स्वच्छता अभियान में सहयोग की अपील की। वहीं डॉ. विजय अमृत राज (पशुधन अधिकारी) ने कहा कि उनकी टीम 24.7 सेवा के लिए तत्पर है और नगर निगम नागरिकों की सुविधाओं के लिए पूरी तरह समर्पित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी सुनील श्रीवास्तव ने की। जन सुनवाई में सेक्टर संयोजक सुनील साहनी, बूथ अध्यक्ष संजीव गुप्ता, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मीना जायसवाल सहित अनेक कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

यूपीपीएससी के 400 विशेषज्ञ पैनल से होंगे बाहर, प्रश्नों पर सवाल उठने के बाद आयोग का फैसला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के 400 विशेषज्ञ पैनल से बाहर किए जाएंगे। उनकी सूची तैयार कर ली गई है। जल्द इस संबंध में आदेश जारी कर दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के 400 विशेषज्ञ पैनल से बाहर किए जाएंगे। उनकी सूची तैयार कर ली गई है। जल्द इस संबंध में आदेश जारी कर दिया जाएगा। प्रश्न पत्र बनाने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, किसी सवाल के जवाब पर विवाद के निस्तारण समेत अन्य कार्यों के लिए आयोग में विशेषज्ञों के अलग–अलग पैनल बनाए गए हैं।

आयोग में पैनल में शामिल होने वाले विशेषज्ञों के चयन की नियमावली तो है ही, प्रश्न पत्र एवं उनके जवाब, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन आदि के लिए भी मानक तय किए गए हैं। इनके अलावा सार्वजनिक स्थलों पर विशेषज्ञों को आचरण एवं व्यवहार के स्तर पर भी परखा जाता है लेकिन आयोग की विगत भर्ती परीक्षाओं में कई तरह की अनियमितता सामने आई है।

अभ्यर्थियों की ओर से सबसे अधिक आपत्तियां पेपर में आए प्रश्न व उनके जवाब को लेकर रहीं। इसके अलावा कॉपियों के मूल्यांकन को भी लेकर भी आपत्तियां रहीं। इसकी वजह से न्यायालय में तो प्रकरण गया ही आयोग को कई बार परिणाम भी बदलने पड़े। इससे पैनल में विशेषज्ञों की भूमिका भी सवाल उठने लगे। इसे देखते हुए आयोग की ओर से 400 विशेषज्ञों को पैनल से बाहर करने का निर्णय लिया गया है।

दुकान पर किया पैनल में शामिल होने का जिक्र, अब होंगे बाहर

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक शिक्षक आयोग के विशेषज्ञों के पैनल में शामिल हैं। उन्होंने इसका जिक्र एक दुकान पर कुछ लोगों के बीच में कर दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद आयोग सख्ती की तैयारी में और उनका नाम पैनल से बाहर किए जाने विशेषज्ञों की सूची में शामिल किया गया है। हालांकि, आयोग की जांच में यह पाया गया कि उन्होंने किसी तरह की गोपनीयता भंग नहीं की है। आयोग के मानक के अनुसार पेपर में ऐसे सवाल नहीं होने चाहिए जिनके जवाब को लेकर अलग–अलग मान्यताएं हों या फिर एक से अधिक जवाब सही हों। सिलेबस एवं प्रश्नों के स्तर को लेकर भी मानक तय किए गए हैं लेकिन कई विशेषज्ञों ने इनसे बाहर जाकर सवाल पूछे।

यूपीएससी व अन्य राज्य आयोगों को भेजी जाएगी सूची

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग पैनल से बाहर किए जाने वाले विशेषज्ञों से भविष्य में अब कोई काम नहीं लेगा। इसकी शुरुआत भी हो गई है। इसके अलावा यह सूची संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) एवं अन्य राज्य आयोगों को भी भेजी जाएगी।

फैमिली आईडी में लापरवाही पर सभी बीडीओ का रोका वेतन

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड व विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान लापरवाही के मामलों में बड़ी कार्रवाई की। फैमिली आईडी के कार्य में लापरवाही बरतने पर उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) का वेतन रोके जाने के दिए निर्देश दिए हैं। डीएम ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर सी व डी रैंकिंग वाले 11 विभागों के संबंधित अधिकारियों का वेतन रोके जाने के दिए निर्देश भी दिए। साथ ही आईजीआरएस पोर्टल पर 50 फीसदी से अधिक निगेटिव फीडबैक वाले विभागों के संबंधित अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी किया। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत अपूर्ण आवासों की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर नाराजगी जताई और अपेक्षित सुधार लाए जाने के दिए निर्देश दिए। बैठक में डीएम मनीष कुमार वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से सभी पात्र लाभार्थियों को लाभांवित कराए जाने के निर्देश दिए।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी लगेगा रोड टैक्स

प्रयागराज। दस लाख रुपये तक का इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर मंगलवार से नौ प्रतिशत और 10 लाख रुपये से अधिक के वाहन पर 11 प्रतिशत रोड टैक्स लगेगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद में 14 अगस्त 2022 से तीन वर्ष के लिए रोड टैक्स में लागू की गई छूट की समय सीमा सोमवार को समाप्त हो गई। हालांकि इन वाहनों पर सब्सिडी की सुविधा ग्राहकों को मिलती रहेगी।

वहीं, संभागीय परिवहन कार्यालय में अंतिम दिन 10 ई–कार, 12 ई–बाइक और आठ ई–रिक्शा का पंजीकरण किया गया। एआरटीओ प्रशासन राजीव चतुर्वेदी ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों में रोड टैक्स में छूट की योजना सोमवार से समाप्त हो गई है। ऐसे में अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर अन्य वाहनों की तरह रोड टैक्स देना होगा, हालांकि लोगों को सब्सिडी मिलती रहेगी। नियमों के अनुसार, रोड टैक्स उन इलेक्ट्रिक वाहनों पर लागू नहीं होगा जिनका निर्माण प्रदेश में हो रहा है। ऐसे में ई–रिक्शा और स्कूटी पर रोड टैक्स लागू नहीं होगा वहीं प्रदेश में ई–कार का निर्माण नहीं होने से रोड टैक्स इन पर लागू होगा।

फतेहपुर में प्राइवेट संस्था करेगी फिटनेस

आरटीओ मुख्यालय ने सोमवार को निर्देश दिया कि फतेहपुर में निजी संस्था वाहनों को फिटनेस प्रमाणपत्र देगी। वर्तमान में प्रयागराज रीजन में सिर्फ फतेहपुर में वाहन फिटनेस के लिए निजी संस्था ने जून से काम शुरू कर दिया है। अब निजी संस्था ही वाहनों का फिटनेस टेस्ट आधुनिक मशीनों से करके प्रमाणपत्र जारी करेगी।

फर्नीचर गोदाम में लगी आग, तीन लोग फंसे, लाखों का सामान जला

प्रयागराज। अतरसुइया थाना क्षेत्र के मीरापुर स्थित 60 फीट रोड पर ललिता देवी मंदिर के पास एक फर्नीचर गोदाम में आग लग गई। आग से मकान की दूसरी व तीसरी मंजिल पर रखा फर्नीचर का सामान जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंचीं दमकल की छह गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

18 अक्टूबर 2025 तक यूपी ट्रेड शो 2025 स्वदेशी मेला होगा नवीन मंडी में आयोजन

–स्वदेशी मेले में लगाई गई विभिन्न स्टालों पर सभी ने दिवाली संबंधित खरीदारी की

मुजफ्फरनगर। नवीन मंडी मुजफ्फरनगर में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेले में स्कूली बच्चों द्वारा स्वदेशी थीम पर एक पेंटिंग/पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। उनके द्वारा बनाए गए पोस्टर की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में सहारनपुर

मंडल से आई संयुक्त आयुक्त सहारनपुर श्रीमती अंजू रानी द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। स्वदेशी मेले में लगाई गई विभिन्न स्टालों पर सभी ने दिवाली संबंधित खरीदारी की और दिए घर सजाने के समान साड़ी आदि खरीदे। ऑर्गेनिक शहद आयुर्वेदिक दवाई की लोगों में खास मांग रही। स्वदेशी मेले में लगभग 5.47 लाख की सेल हुई। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग श्रीमती जैस्मिन,खादी ग्रामोद्योग अधिकारी श्री ओमप्रकाश सहित अन्य संबंधित विभाग अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

गंगानाथ झा परिसर में भारतीय गणित एवं ज्योतिष शास्त्र पर व्याख्यान

प्रयागराज। भारतीय ज्ञान परंपरा केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर द्वारा आयोजित षष्ठ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के द्वितीय दिवस में चाणक्य विश्वविद्यालय,

बेंगलूरु के प्रो. रामकृष्ण पेज्जताय ने भारतीय गणित ज्योतिषशास्त्रयोः वैश्विकप्रवृत्तयः विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने इसी विषय पर वैश्विक शोध प्रवृत्ति पर सारगर्भित एवं गम्भीर व्याख्यान द्वारा उपस्थित छात्र–छात्राओं को लाभान्वित किया। चर्चा सत्र में हैदराबाद विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्ताचार्य प्रो.कोराड सुब्रह्मण्यम ने भारतीय भाषासु ऐक्यसम्पादने आढ्यड्करणे च पाणिनीयस्य अवदानम् विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। आज के सत्र में हैदराबाद विश्वविद्यालय की आचार्या प्रो. अम्बा कुलकर्णी ने Importance of Indian Language Sciences for Natural Language Processing विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अतिरिक्त सदस्य (रेलवे विद्युतीकरण)/रेलवे बोर्ड को महाप्रबन्धक/कोर का अतिरिक्त प्रभार

प्रयागराज। भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा श्री रामेन्द्र कुमार तिवारी, अतिरिक्त सदस्य (रेलवे विद्युतीकरण)/रेलवे बोर्ड/नई दिल्ली को दिनांक 13/10/2025 को केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, (कोर) प्रयागराज के महाप्रबंधक का अतिरिक्त

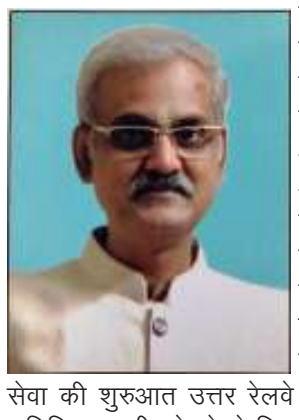

प्रभार दिया गया है, जो अपने पद के अलावा कोर के महाप्रबन्धक का भी कार्यभार देखेंगे। महाप्रबंधक महोदय 1988 बैच के अधिकारी हैं और रेलवे में कई अहम पदों पर अपनी सेवा दे चुके हैं। श्री तिवारी, ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे कोलकाता एवं चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में सीनियर स्केल में अहम पदों पर कार्य किया है। उन्होंने अपनी रेलवे सेवा की शुरुआत उत्तर रेलवे के कानपुर से किया है। इसके अतिरिक्त भारतीय रेलवे के विद्युत विभाग के विभिन्न पदों पर कार्य किया है। तकनीकी मुद्दों में अपने विशाल अनुभव के अलावा श्री तिवारी, को सामान्य प्रशासन का भी एक वृहद अनुभव रहा है।

ब्लाक मुख्यालय पर हुई प्रधान व बीडीसी सदस्यों की बैठक

मोरन। ब्लाक मुख्यालय पर आयोजित क्षेत्र पंचायत सदस्यों व ग्राम प्रधानों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सरकार के द्वारा चलाई गई अनेक लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता करे हुए ब्लाक प्रमुख अनिल राठी ने कहाकि किसान सहभागिता योजना के तहत ग्रामीण गौशाला से चार गाय तक ले सकते है, जिनके पालन पोषण के लिए सरकार द्वारा 1500 रूपये प्रतिमाह प्रति गाय दिया जाता है। बीडीओ विशाखा सिंह ने कहा कि गांव में परिवार की

फैमली आईडी होनी अनिवार्य है, गांव गांव में ग्राम पंचायत सचिव के द्वारा फैमली आइडी बनाई जा रही है। इसके प्रचार प्रसार में जन प्रतिनिधि अपनी मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। पशु चिकित्साधिकारी डा. सुनील कपूर ने कहा कि प्रगतिशील किसान योजना के तहत देशी गाय के 10 लीटर पर 10 हजार व 15 लीटर दूध देने पर 15 हजार रूपये दिए जा रहे है। एडीओ पंचायत योगेश्वर दत्त त्यागी ने शौचालय, ओडीएफ प्लस व एडीओ समाज कल्याण प्रदीप चंदेल ने शादी अनुदान, पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, एडीओ उद्योग सेवा और व्यवसाय सुरेंद्र सिंह ने स्वयं सहायता समूह गठन, एडीओ सहकारिता विकास यादव ने समिति सदस्य बनाए जाने व किसान सम्मान निधि समेत अनेक चलाई जा रही लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी।

हिंदी पत्रिकारिता के द्वि शताब्दी कार्यक्रम में हिंदी पत्रिकारिता को सशक्त और समृद्धि बनाने पर हुआ मंथन

पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने यूनियन द्वारा जारी पत्रिका आत्म मंथन का किया विमोचन

दो दिवसीय राष्ट्रीय पत्रकार संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह के साथ सम्मेलन का हुआ समापन

फिरोजाबाद (सिरसागंज)। हिंदी पत्रिकारिता के द्वि शताब्दी दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं अतिथियों ने हिंदी पत्रिकारिता को सशक्त और समृद्धि बनाने पर मंथन किया। जिसमें पत्रकारों से हिंदी पत्रिकारिता की सुचिता के प्रति समर्पण भाव से काम करने की सलाह दी। पर्यटन मंत्री ने कहा कि हिंदी भाषा और हिंदी पत्रकारिता देश की आत्मा है। इस अवसर पर देश भर से आए वरिष्ठ पत्रकारों और यूनियन के पदाधिकारियों के साथ ही जनपद के सभी पत्रकारों को प्रतीक चिंह और शॉल उढ़ाकर एवं मूमेन्टो देकर सम्मानित किया गया।

समापन समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने की। मुख्य अतिथि कोआपरेटिव बैंक के अध्यक्ष अतुल प्रताप सिंह रहे। मंचासीन अतिथियों में नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट इंडिया के संयोजक प्रमोद गोस्वामी, संरक्षक सुरेंद्र दुबे,वरिष्ठ पत्रकार के बक्स सिंह, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सक्सेना, महामंत्री संतोष भगवन, कोषाध्यक्ष अनुपम चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष डीएम शर्मा, उमाकांत पचौरी, सुनील वशिष्ठ , राजीव शर्मा, अमित उपाध्याय और जितेंद्र शर्मा एवं चेयरमैन सिरसागंज रंजना सिंह, डा. गुरुदत्त सिंह, बीएसए आशीष पांडे, और जिला विद्यालय निरीक्षक जितेंद्र सिंह का संस्था के जिलाध्यक्ष संजय शर्मा और

महामंत्री दिनेश वशिष्ठ ने बुके देकर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए हिंदी पत्रकारिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज हिदी पत्रिकारिता के सामने अनेक चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों को एक पत्रकार ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से कार्य करते हुए निर्वहन कर रहा है। जो समाज की हर अच्छाई, बुराई और समाज में फैली कुरीतियों को जनता के सामने लाकर उजागर करता है और समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास करता है। लेकिन जब पत्रकारिता दिवस आता है तो अभावों में अपने कर्तव्य का पालन करने वाले पत्रकारों के लिए कोई सामाजिक, राजनैतिक या प्रशासनिक संस्थाएं आगे नहीं आती हैं। संस्थाओं को पत्रकारिता दिवस पर उनका उत्साह एवं हौसला बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सम्मानित करना चाहिए। इस पर जिला विद्यालय निरीक्षक और बीएसए ने शीघ्र ही आने वाले माहों में कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया।

इससे पूर्व प्रथम सत्र में पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री ने नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट इंडिया की पत्रिका आत्म मंथन का विमोचन करते हुए कहा था कि हमें हिंदी पत्रकारिता की सुचिता के प्रति समर्पित भाव से काम करना चाहिए। हिंदी पत्रकारिता पत्रकारिता की नींव है। सभी पत्रकार हमारे लिए सम्मानित हैं।

हिंदी संस्थान उत्तर प्रदेश की प्रधान संपादक डा. अमिता दुबे ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के नव निर्माण की सशक्त जरूरत है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता जन सरोकार से जुड़ी पत्रकारिता हिंदी पत्रकारिता देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

इस दौरान अरुणतिवारी, प्रमेंद्र यादव, दीपक सोलंकी, निकुंज यादव, राजीव सक्सेना, उमाकांत पचौरी, बिजेंद्र सिंह, कौशल राठौर, अश्वनी मोहन शर्मा, संजीव दुबे, अशोक कुमार, संजय कुमार, सचिन जैन सहित बड़ी संख्या में जनपद से आए हुए पत्रकार और समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। संचालन कार्यक्रम संयोजक मुकेश मणिकांचन ने किया। कार्यक्रम के समापन की घोषणा जिलाध्यक्ष संजय शर्मा ने की और सभी अतिथियों और देश के प्रत्येक कोने से आए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

मंत्री नन्दी के पहल पर जरूरतमंद मरीजों तक पहुंची 2.26 करोड़ की आर्थिक मदद

अप्रैल, मई और जून में 107 मरीजों को उपलब्ध कराई गई सहायता

मंत्री नन्दी खुद करते हैं लोगों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की समीक्षा

– गम्भीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की मदद के लिए कैबिनेट मंत्री नन्दी ने लगा रखी है युवाओं की टीम

– क्षेत्र में भ्रमण कर पूछते हैं लोगों की समस्या, कागजी कार्रवाई को पूरी कराकर दिला रहे प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ

प्रयागराज। गम्भीर बीमारियों का ईलाज करा रहे दर्जनों लोगों को उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के प्रयास से हर महीने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। अप्रैल, मई और जून महीने में मंत्री नन्दी के प्रयास से प्रयागराज व अन्य क्षेत्रों के 107 मरीजों को ईलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से दो करोड़ 26 लाख 14 हजार 102 रूपए की धनराशि उपलब्ध कराई गई। जिससे मरीजों का जहां बेहतर ईलाज सम्भव हो पाया, वहीं कईयों को नया जीवन मिला।

मंत्री नन्दी के प्रयास से कैंसर, किडनी, हड्डी रोग, ह्रदय रोग, आर्थराइटिस के साथ ही अन्य गम्भीर बीमारियों का ईलाज कराने के लिए अप्रैल महीने में 52 मरीजों को 1,01,55,602 रुपए, मई महीने में 38 मरीजों को 77,73,500 रुपए और जून महीने में 17 मरीजों को 48,85,000 रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। जिसकी मदद से लोगों ने अपना उपचार कराया। जिनमें प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के मुट्ठीगंज, चौक, नार्थ मलाका, साउथ मलाका, नैनी, शाहगंज, नैनी, अकबरपुर, अहमदगंज,

हिम्मतगंज, मालवीय नगर, खुशहाल पर्वत, जीटीबी नगर करेली, कटघर, मीरापुर, कीडगंज, तुलसीपुर के साथ ही अन्य जनपदों एवं विधानसभा क्षेत्रों के लोग शामिल हैं।

आर्थिक तंगी और अभाव भरी जिंदगी को पूर्व में पूरी रह से जीने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी यह जानते हैं कि किसी भी बीमारी का ईलाज कराना हर व्यक्ति के लिए सम्भव नहीं है। एक छोटा–मोटा व्यक्ति या व्यवसाय करने वाला जब गम्भीर स्वास्थ्य संकट में हो और पूरी जमा पूंजी समाप्त हो जाए तो क`वल ईश्वर से प्रार्थना का ही सहारा बचता है। घर की आर्थिक व्यवस्था सम्भालने वाला जब बिस्तर पकड़ लेता है तो पूरे परिवार की कमर टूट जाती है। ऐसी स्थिति में आर्थिक तंगी की वजह से कोई व्यक्ति बेहतर ईलाज से वंचित न होने पाए, अपनों को बचाया जा सके, इसके लिए मंत्री नन्दी ने अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में युवा कार्यकर्ताओं की टीम लगा रखी है। शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के 84 सेक्टर्स में सक्रिय युवा क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों की समस्या सुनते हैं। ईलाज में आ रही समस्या और आर्थिक बाधाओं की जानकारी इकट्ठा करने के बाद ईलाज की सरकारी प्रक्रियाओं को पूरा कराते हुए मंत्री नन्दी के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र भेजा जाता है। जहां से मुख्यमंत्री राहत कोष से ईलाज के लिए धनराशि भेज दी जाती है।

मंत्री नन्दी के आवास, कार्यालय या फिर लखनऊ आवास पर कोई जरूरतमंद ईलाज में आर्थिक मदद की मांग करता है तो मंत्री नन्दी द्वारा सरकारी प्रक्रियाओं को पूरा कराते हुए उसे आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया जाता है। मंत्री नन्दी द्वारा सरकार के द्वितीय कार्यकाल में अब तक प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र ही नहीं बल्कि अन्य जनपदों एवं अन्य क्षेत्रों के 1700 से अधिक लोगों को गम्भीर बीमारियों का ईलाज कराने के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 29 करोड़ से अधिक की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है।

शुकतीर्थ में श्रद्धा के साथ मनाई गई गुरु हनुमान महाराज की 11वीं पुण्यतिथि

मोरना रू तीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित सिद्धपीठ माता पूर्णागिरी आदि शक्तिपीठ में ब्रह्मलीन गुरु हनुमान महाराज की 11वीं पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस दौरान विशाल भंडारे में साधु–संतों व भक्तों को भोजन प्रसाद कराया गया। हिमाचल प्रदेश के जिला सोलन से आए योगऋषि ब्रह्ममूर्ति योगतीर्थ महाराज ने कहा कि मनुष्य बहुत महत्वाकांक्षी हो गया है, उसके मन की इच्छाएं कभी तृप्त नही होती है। गुरु हनुमान महाराज ने अध्यात्म के माध्यम से उन्होंने समाज का कल्याण किया। आजीवन समाज की भलाई के लिए कार्य किए है। श्रद्धांजलि सभा में महामंडलेश्वर स्वामी गोपाल दास महाराज ने कहा कि गुरु हनुमान महाराज ने जिले में रामजन्म भूमि आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाई थी, प्रशासन ने इन्हें गिरफ्तार

कर बुलंदशहर जेल भेज दिया था तथा इनके विरुद्ध रासुका की भी कार्रवाई की गई थी। सभा में गीता घाट के महंत स्वामी गीतानंद महाराज ने कहा कि संत महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने से ही भगवान के दर्शन हो सकते है। संत समाज हमेशा दूसरे के कल्याण के लिए ही तप करते है, इसलिए संतों का आदर सत्कार करना चाहिए। सभा को स्वामी विचारानंद महाराज, शांतानंद महाराज, सतेंद्र नाथ महाराज, जमनादास महाराज, मंहत चेतनदास महाराज, राजकुमार नाथ महाराज ने भी संबोधित किया। इससे पहले मंत्रोचारण के बीच हवन यज्ञ में पूर्णाहुति देकर ब्रह्मलीन गुरु हनुमान जी की समाधि पर पुष्प अर्पित व प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी, किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, गन्ना मिल संघ के डायरेक्टर देवेंद्र चौधरी, जिलाध्यक्ष राजीव राठी, जिला पंचायत सदस्य शाहनवाज, जाहिद हसन आदि मौजूद रहे। इस दौरान विशाल भंडारे में साधु–संतों व भक्तों को भोजन प्रसाद कराया गया।

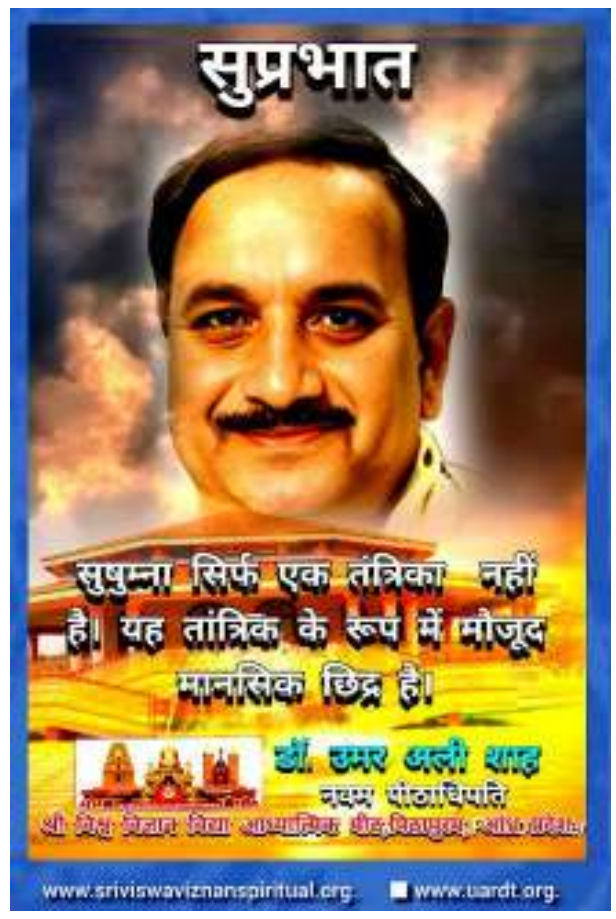

गुलदाउदी

(कुण्डलिया)

नभ से आने जब लगीं, शीतल बूँद तुषार।
आयी तब गुलदाउदी, लिए पुष्प उपहार।
लिए पुष्प उपहार, बनी उत्सव का वैभव।
जिसकी मधुर सुगन्ध, भाव भरती है शैशव।
सुन लो कहें प्रदीप, स्नेह यह रखकर सबसे।
पंखुड़ियों को खोल, बात करती हैं नभ से।।

जिसने गाया चीन में, सबसे पहला गान।
वही पुष्प गुलदाउदी, दिखती हर उद्यान।
दिखती हर उद्यान, महकती भीनी– भीनी।
पंखुड़ियों के बीच, छिपा रखती शीरीनी।।
सुन लो कहें प्रदीप,सुनहरे ख्वाब जगाये।
खुशियों का संसार, दिया है जग को जिसने।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर यार्ड में अनुरक्षण कार्यों के कारण उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने एवं गुजरने वाली निम्नलिखित रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन एवं रिशेड्यूलिंग का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	स्टेशनों के मध्य आंशिक निरस्त	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
51973	मथुरा-जयपुर	खातीपुरा-जयपुर	09.11.2025 से 13.12.2025
51974	जयपुर-मथुरा	जयपुर-खातीपुरा	09.11.2025 से 13.12.2025
12403/ 20403	प्रयागराज-लालगढ़	खातीपुरा-लालगढ़ (खातीपुरा- 12:00 बजे आगमन)	08.11.2025 से 12.12.2025
12404/ 20404	लालगढ़-प्रयागराज	लालगढ़-खातीपुरा (खातीपुरा- 15:18 बजे प्रस्थान)	09.11.2025 से 13.12.2025
12195	आगरा फोर्ट-अजमेर	खातीपुरा-अजमेर (खातीपुरा- 09:45 बजे आगमन)	22.11.2025 से 09.12.2025
12196	अजमेर-आगरा फोर्ट	अजमेर-खातीपुरा (खातीपुरा- 17:29 बजे प्रस्थान)	22.11.2025 से 09.12.2025
12395	राजेन्द्र नगर (ट.)-अजमेर	सांगानेर-अजमेर (सांगानेर- 12:50 बजे आगमन)	26.11.2025 से 03.12.2025
12396	अजमेर-राजेन्द्र नगर (ट.)	अजमेर-सांगानेर (सांगानेर- 03:10 बजे प्रस्थान)	26.11.2025 से 05.12.2025

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	वर्तमान मार्ग	परिवर्तित मार्ग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
19402	लखनऊ-साबरमती	भरतपुर-बाँदीकुई-जयपुर-अजमेर-साबरमती	भरतपुर-कोटा-आणंद-साबरमती	25.11.2025, 02.12.2025
19202	अयोध्या कैंट-भावनगर (ट.)	भरतपुर-जयपुर-पालनपुर-विरमगाम	भरतपुर-कोटा-आणंद-अहमदाबाद-विरमगाम	25.11.2025

रेलगाड़ियों का रिशेड्यूलिंग

गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	रिशेड्यूलिंग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12988*	अजमेर-सियालदह	अजमेर से 195 मिनट	09.11.2025 से 14.11.2025, 17.11.2025 से 18.11.2025, 21.11.2025 से 24.11.2025, 26.11.2025 से 28.11.2025 30.11.2025 से 02.12.2025, 06.12.2025 से 10.12.2025 एवं 13.12.2025
14853/ 63/65	वाराणसी सिटी-जोधपुर	वाराणसी सिटी से 250 मिनट	08.11.2025 से 12.12.2025
14854/ 64/66	जोधपुर-वाराणसी सिटी	जोधपुर से 180 मिनट	09.11.2025 से 13.12.2025
12495	बीकानेर-कोलकत्ता	बीकानेर से 150 मिनट	27.11.2025 एवं 04.12.2025

• गाड़ी संख्या 12988 अजमेर-सियालदह दिनांक 02.12.2025, 06.12.2025, 09.12.2025 एवं 13.12.2025 को कोहरे के कारण पहले से ही निरस्त की गयी है।

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1881/25(A)

सम्पादकीय.....

बड़े उद्योगों की जवाबदेही

लगातार ग्लोबल वार्मिंग संकट से जूझती दुनिया में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर नियंत्रण की दिशा में भारत सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है। केंद्र सरकार के गत सप्ताह की शुरुआत में अधिसूचित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य नियम, भारत में औद्योगिक प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षरण रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा रहा है। इन नियमों ने कार्बन–प्रधान उद्योगों के लिये देश के पहले कानूनी रूप से बाध्यकारी उत्सर्जन न्यूनतम करने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। ऐसे में, जो उत्पादन इकाइयां अपने निर्धारित लक्ष्य से कम कार्बन का उत्सर्जन करती हैं, वे व्यापार योग्य कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर निर्धारित लक्ष्य से अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली इकाइयों को भारतीय कार्बन बाजार से समतुल्य क्रेडिट खरीदना होगा या फिर जुर्माना देने को बाध्य होना होगा। दरअसल, एल्युमीनियम, सीमेंट, लुगदी एवं कागज आदि क्षेत्रों की 282 औद्योगिक इकाइयों को 2023–24 के आधार रेखा स्तर से अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि पहले अनुपालन चक्र में कुछ बड़ी कंपनियां शामिल हैं, जिसमें वेदांता, हिंडाल्को, नाल्को और बाल्को द्वारा संचालित एल्युमीनियम स्मेल्टर और अल्ट्राटेक, डालमिया, जे. के सीमेंटे,श्री सीमेंट और एसीसी के स्वामित्व वाले बड़े सीमेंट संयत्र शामिल हैं। निश्चित रूप से केंद्र सरकार ने एक सख्त संदेश दिया है कि बड़े औद्योगिक घरानों को हरित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये अनुकरणीय उदाहरण पेश करना होगा। यदि ये ताकतवर बड़े घराने हरित लक्ष्यों की पूर्ति के लिये सार्थक पहल करते हैं तो आम लोगों को भी उससे प्रेरणा मिलेगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देश है। जिसमें चीन पहले और अमेरिका दूसरे स्थान पर है। निस्संदेह, नये नियम, जो उद्योगों को उत्सर्जन कम करने के लिये प्रोत्सहित करते हैं, उनके औद्योगिक प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार ऊर्जा दक्षता योजना पर आधारित हैं। जिसने ऊर्जा–बचत के लक्ष्य निर्धारित किए। वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिसे दंड लगाने और समयबद्ध निगरानी व वसूली का काम सौंपा गया है, को कानूनी ढांचे के अनुसार सख्ती से कार्य करने की आवश्यकता है। इस बाबत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बड़े औद्योगिक दिग्गजों के प्रतिरोध के लिये पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। यह बात उत्साहजनक है कि भारत ने इस वर्ष पहली छमाही में पहले से कहीं अधिक सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन किया। जबकि इस अवधि के दौरान भारत के बिजली क्षेत्र में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में साल–दर–साल आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मानवीय गतिविधियों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसों को जलवायु परिवर्तन का सबसे अहम कारक माना जाता है। हमारा देश, जिसने इस वर्ष ही जलवायु प्रभाव संबंधी आपदाओं की बाढ़ देखी है, को स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिये युद्ध स्तर पर प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, सतत विकास – जलवायु के प्रति संवेदनशीलता कार्बन–तटस्थ भविष्य की ओर बढ़ने के अनुरूप होना चाहिए।

दलितों पर बौद्ध धर्मांतरण का प्रभाव

एस आर दारापुरी

एक दलित नेता और भारत के संविधान निर्माता अंबेडकर ने बौद्ध धर्म को हिंदू धर्म की जातिगत पदानुक्रम के एक तर्कसंगत, समतावादी विकल्प के रूप में देखा, जिसमें स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर जोर दिया गया था।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा 14 अक्टूबर, 1956 को नागपुर में एक सामूहिक कार्यक्रम में दलितों (जिन्हें पहले भारत की जाति व्यवस्था में ष्अछूतष कहा जाता था) के बौद्ध धर्म में ध र्मांतरण का गहरा और बहुआयामी प्रभाव पड़ा है। एक दलित नेता और भारत के संविधान निर्माता अंबेडकर ने बौद्ध धर्म को हिंदू धर्म की जातिगत पदानुक्रम के एक तर्कसंगत, समतावादी विकल्प के रूप में देखा, जिसमें स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर जोर दिया गया था। इस आंदोलन, जिसे अक्सर नवयान या नव–बौद्ध धर्म कहा जाता है, ने लाखों लोगों को धर्मांतरित होते देखा हैकृअनुमान है कि लगभग 4 करोड़ दलितों ने इसे अपनाया है, मुख्यतः महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में। यद्यपि जातिगत हिंसा के विरोध के रूप में धर्मांतरण जारी है, फिर भी 1980 और 1990 के दशक के चरम के बाद से इसकी दर में कमी आई है, और राजनीतिक बदलावों और प्रशासनिक बाधाओं के कारण बौद्ध जनसंख्या में 24.53ः की वृद्धि (1991–2001) से घटकर 6.13ः (2001–2011) रह गई है। सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरणरू धर्मांतरण ने दलितों को अस्पृश्यता और जाति–आधारित बहिष्कार को अस्वीकार करने में सक्षम बनाया है, जिससे उनमें सम्मान, आत्म–सम्मान और सामुदायिक एकजुटता की एक नई भावना का विकास हुआ है। करुणा, ज्ञान और संघ (समुदाय) जैसे बौद्ध मूल्यों को अपनाकर, दलितों ने विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान, अनुष्ठान और विहार जैसे स्थान बनाए हैं, जो उच्च–जाति के प्रभुत्व को चुनौती देते हैं और एजेंसी को बढ़ावा देते हैं। यह महाराष्ट्र में विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है, जहाँ यह आंदोलन सबसे प्रबल है, जिससे सापेक्ष समृद्धि, शिक्षा तक बेहतर पहुँच और पेशेवर अवसर प्राप्त हुए हैं। महिलाओं के लिए, इसने मुखरता और आत्म–चेतना को प्रोत्साहित किया है, शिक्षा और सक्रियता के माध्यम से पितृसत्तात्मक मानदंडों को तोड़ा है। इसका एक प्रमुख प्रभाव हिंदू धर्म द्वारा लगाए गए हीनता के कलंक से मानसिक मुक्ति है। धर्मांतरित लोग अक्सर पहली बार ष्मानवष महसूस करते हैं, कर्म, भाग्य और दैवीय पदानुक्रम के विचारों से मुक्त, जो उनके उत्पीड़न को उचित ठहराते थे। इस बदलाव ने आत्मविश्वास, तर्कसंगत दृष्टिकोण और एक क्रांतिकारी मानसिकता का निर्माण किया है, जैसा कि दलित साहित्य और कविता में अतीत के अपमान के प्रति क्रोध और बदलाव के उत्साह को व्यक्त करते हुए देखा जा सकता है। बौद्ध धर्म का तर्कसंगत लोकाचार अंबेडकर के नारे ष्शिक्षित करो, आंदोलन करो, संगठित करोष के अनुरूप है, जो दलितों को शिक्षा प्राप्त करने और निरक्षरता व गरीबी के चक्र को तोड़ने के लिए प्रेरित करता है। डॉ. अंबेडकर कॉलेज जैसे संस्थानों ने पीढ़ियों को शिक्षित किया है, जिससे सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा मिला है, खासकर महार जैसी जातियों में। एक राजनीतिक विरोध के रूप में, धर्मांतरण ने दलित चेतना को बढ़ाया है, अधिकारों, प्रतिनिधित्व और सुधारों की मांगों को मजबूत किया है। इसने एक मजबूत चुनावी आधार तैयार किया है, राज्य पर अस्पृश्यता निवारण के लिए दबाव डाला है, और अनुसूचित जाति महासंघ जैसे संगठनों के माध्यम से सक्रियता को बढ़ाया है। सहारनपुर (2017) या ऊना (2016) में हुई हिंसा जैसे अत्याचारों के जवाब में, धर्मांतरण विद्रोह का रूप लेता है, एकजुटता को बढ़ावा देता है और जातिगत वर्चस्व को चुनौती देता है। दलितों ने बौद्ध धर्म को एक सामाजिक सुधार उपकरण के रूप में अपनाया है, जो रहस्यवाद की तुलना में नैतिकता और मानवीय गरिमा पर केंद्रित है। हिंदू धर्म की असमानताओं से इस ष्महान पलायनष ने ध्यान और बौद्ध तथा दलित आख्यानों को मिलाकर रचे गए नए महाकाव्यों जैसी प्रथाओं को प्रेरित किया है, जो निरंतर पीड़ा का समाधान करते हैं।इन लाभों के बावजूद, प्रभाव समान रूप से सकारात्मक नहीं हैं, कुछ सीमाएँ और प्रतिक्रियाएँ भी हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से सशक्त होते हुए भी, इस आंदोलन के व्यापक सामाजिक प्रभाव कुछ लोगों के अनुसार नगण्य रहे हैं, क्योंकि जातिगत भेदभाव कायम है, और धर्मांतरित लोगों को अभी भी बहिष्कार या हिंसा का सामना करना पड़ता है। धर्मांतरण के बाद गुप्त हिंसा, जैसे कि गाँवों में सामाजिक बहिष्कार, आम बात है। कर्नाटक जैसे राज्यों में, नव–बौद्धों को अनुसूचित जाति (एससी) आरक्षण के लिए जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाई होती है, जिसके कारण कुछ लोग लाभ बनाए रखने के लिए जनगणना या सर्वेक्षणों में हिंदू के रूप में अपनी पहचान दर्ज कराते हैं। इससे कम गणना और घटती आधिकारिक वृद्धि दर में योगदान होता है। दक्षिणपंथी समूह धर्मांतरण को एक खतरे के रूप में देखते हैं, जिससे दबाव बढ़ता है और समुदायों को एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जाता है, जैसा कि उत्तर प्रदेश के धर्मांतरण विरोधी कानूनों में देखा गया है। आंतरिक रूप से, अम्बेडकरवादियों के बीच बहसकृ जैसे जाति पहचान बनाम विनाश पर जोरकृएकता को कमजोर करती है। आलोचकों का तर्क है कि कुल मिलाकर कम परिवर्तन दरों के कारण धर्मांतरण का जनसांख्यिकीय प्रभाव न्यूनतम होता है। धर्मांतरित लोग बेहतर व्यवहार की आशा करते हैं, लेकिन अक्सर उन्हें दुविधाओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें निरंतर हमले या जटिल आध्यात्मिक परिवर्तनों से निपटने की आवश्यकता शामिल है।

शहबाज शरीफ ने चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़कर पाकिस्तान के मस्तक पर चमचे का ताज सजा दिया है

नीरज कुमार दुबे

शर्म–अल–शेख में आयोजित गाज़ा शांति सम्मेलन का मंच सिर्फ़ पश्चिम एशिया की राजनीति का नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के भविष्य के संकेतों का भी साक्षी बना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब सार्वजनिक रूप से कहा कि "भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगेश और साथ ही भारत को "महान देश" बताते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अप्रत्यक्ष प्रशंसा की, तो यह केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं था। यह बयान दरअसल उस रणनीतिक संदेश का प्रतीक है, जिसके जरिए ट्रंप एक साथ दोनों एशियाई देशों के साथ अपने रिश्तों को संतुलित रखना चाहते हैंकृ लेकिन प्राथमिकता के पलड़े भारत की ओर झुके दिखते हैं। ट्रंप के इस वक्तव्य के पीछे दो परतें साफ़ दिखती हैं। पहली यह है कि वह यह जताना चाहते हैं कि उनकी मध्यस्थता के बिना भारत–पाक युद्ध छिड़ जाता, जो अमेरिकी षविश्व उद्धारकष की छवि को पुनः स्थापित करने की कोशिश है। दूसरी, मोदी के लिए इस्तेमाल किया गया "उल अमतल हववक तिपमदक" जैसा संबोधन न सिर्फ़ व्यक्तिगत निकटता दर्शाता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि अमेरिका की दक्षिण एशिया नीति अब पाकिस्तान की "रणनीतिक उपयोगिता" से कहीं आगे निकल चुकी है। भारत के दृष्टिकोण से देखें तो यह वह क्षण था जब कूटनीति की मेज़ पर "संवाद के साथ संप्रभुता" का भारतीय मॉडल विजयी होता दिखा। भारत ने न तो अमेरिकी मध्यस्थता को स्वीकार किया, न ही पाकिस्तान की शांति–अभिनय की भाषा में शामिल हुआ। विदेश मंत्रालय ने इस पूरे प्रसंग को संयमित शब्दों में संभालते हुए ट्रंप की भूमिका की सराहना तो की, पर स्पष्ट किया कि भारत शांति के लिए "प्रत्यक्ष बातचीत" में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप के प्रयासों की "ईमानदारी" को रेखांकित करते हुए गाज़ा में बंधकों की रिहाई पर मानवता की जीत पर जोर दिया, न कि किसी नेता की। इसके बरअक्स पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ का रवैया चौंकाने वाला और कुछ हद तक लज्जाजनक रहा। ट्रंप की प्रशंसा में उन्होंने जिस तरह चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वह पाकिस्तान की कूटनीतिक निर्भरता का प्रतीक बन गया। "मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूँ," से लेकर "अगर यह सज्जन न होते तो भारत–पाकिस्तान युद्ध में कोई जीवित न बचता" तक, हर वाक्य आत्मसमर्पण जैसा लगा। यह सिर्फ़ अमेरिकी कृपा पाने की कोशिश नहीं थी, बल्कि अपने घरेलू असंतोष और सैन्य दबावों के बीच शरीफ द्वारा सुरक्षा–राजनीति की लगाम वॉशिंगटन के हाथों में सौंपने जैसा कृत्य था। यह वही पाकिस्तान है जिसने वर्षों तक अमेरिका से ष्समानताष की मांग की, पर अब एक नेता के व्यक्तिगत "धन्यवाद" में अपनी संप्रभुता का स्वर खो बैठा। शहबाज शरीफ का यह रवैया दो बातों को उजागर करता है। पहला यह कि पाकिस्तान की विदेश नीति आज आत्मनिर्भरता से कोसों दूर है और दूसरा यह कि शहबाज़ अपनी नाकामी को अमेरिकी प्रशंसा से ढंकने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप की मुस्कराहट वाली तस्वीर भी बहुत कुछ कहती है। ट्रंप ने जिस सहजता से कहा "He is going to help make that happen, right?", वह एक राजनीतिक व्यंग्य था। यह संकेत था कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया में "मध्यस्थ" नहीं बल्कि "निर्देशक" की भूमिका निभाना चाहता है और शहबाज शरीफ ने उसी वाक्य को अपने "कृतज्ञता के ग्रंथ" में बदल डाला। हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की "शांति की राजनीति" में भारत की भूमिका गरिमा के साथ सीमित रही। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह का सम्मेलन में उपस्थित होना और भारत का आधिकारिक वक्तव्य, दोनों ने यह संदेश दिया कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर "दूसरों के सहारे" नहीं बल्कि "अपने सिद्धांतों" पर खड़ा रहेगा। इस पूरी घटना का सार यही है कि जहाँ ट्रंप अपनी चुनावी छवि के लिए वैश्विक शांति–स्थापक का वस्त्र पहन रहे हैं, वहीं शहबाज़ शरीफ अपने कूटनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए उस वस्त्र के किनारे झाड़ रहे हैं। मोदी की शांत–नपी–तुली प्रतिक्रिया और शहबाज शरीफ की अतिशय प्रशंसा का यह विरोधाभास न केवल तीन नेताओं के व्यक्तित्व का अंतर बताता है, बल्कि दक्षिण एशिया के शक्ति–संतुलन का भी प्रतीक है। शर्म–अल–शेख का यह दृश्य इतिहास में शायद "गाज़ा शांति सम्मेलन" के नाम से दर्ज होगा, पर भारत और पाकिस्तान के लिए यह एक और संकेत छोड़ गया कि जो नेतृत्व अपने राष्ट्रीय सम्मान को दूसरों की तारीफों में खो देता है, वह शांति नहीं, पराधीनता का मार्ग चुनता है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेताओं की भाषा और बर्ताव ही यह तय करते हैं कि वे अपने देश का प्रतिनिधित्व किस गरिमा से कर रहे हैं। बहरहाल, वैसे तो नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ के बीच किसी तरह की तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन दो पड़ोसी राष्ट्रों के नेतृत्व के बीच का अंतर इस मंच पर साफ़ दिखाई दिया। मोदी ने भारत के स्वाभिमान को दृढ़ता से बरकरार रखा और ट्रंप ने मोदी की प्रशंसा की, ना कि मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा की। इसके उलट, शहबाज शरीफ ने अपने देश के स्वाभिमान की चिंता किए बिना सार्वजनिक मंच से ट्रंप की खुलेआम चापलूसी की।

जातिवाद का जहर और दलित उत्पीड़न

हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कु मार का अंतिम संस्कार इन पंक्तियों के लिखे जाने तक नहीं हो पाया है, वहीं हरियाणा सरकार के दो मंत्री, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव जैसे बड़े अधिकारी पूरन कुमार के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें अंतिम संस्कार और पोस्टमार्टम के लिए मनाने में जुटे हुए हैं। इस मामले में हरियाणा सरकार ने रोहतक के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया को हटा दिया है। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी ने उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। बता दें कि पूरन कुमार का शव 7 अक्टूबर मंगलवार को उनके घर पर मिला था। पुलिस ने इसे आत्महत्या बताया। अपनी मौत से पहले दिवंगत अधिकारी ने एक नोट छोड़ा है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जातिगत प्रताड़ना और अपमान के आरोप उन्होंने लगाए। पूरन कुमार ने लिखा कि 2020 में तत्कालीन डीजीपी मनोज यादव ने मेरा उत्पीड़न शुरू किया, हरियाणा कैडर के अन्य अधिकारी आज भी प्रताड़ित कर रहे, तत्कालीन एसीएस गृह राजीव अरोड़ा ने मुझे छुट्टियां नहीं दी। मैं अपने बीमार पिता से मिलने तक नहीं जा सका। वर्षों तक मुझे मानसिक प्रताड़ना से गुजरना पड़ा। मेरे खिलाफ छद्म नामों से दुर्भावनापूर्ण शिकायतें की गईं। सार्वजनिक रूप से मुझे अपमानित और शर्मिंदा किया गया। अपने उत्पीड़न की एक लंबी फेरहिस्त देते हुए पूरन कुमार ने लिखा कि– मैं और अधिक प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं कर सकता, इसीलिए मैंने सब कुछ खत्म करने का निर्णय लिया है। यकीन करना मुश्किल है कि 21 वीं का चौथाई हिस्सा निकल गया है और भारत में दलित उत्पीड़न खत्म ही नहीं हो रहा है। कहा जाता है कि कमजोर वर्गों को शिक्षा की शक्ति से लैस किया जाए, तो उनकी स्थिति में सुधार आएगा। लेकिन यहां ये तर्क भी नाकाम दिख रहा है। रायबरेली में गरीब हरिओम वाल्मिकी को पीट–पीट कर मारना, देश के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जूता

फेंकना और फिर सोशल मीडिया पर उसे सही ठहराया जाना और एक पुलिस सेवा के एक वरिष्ठ लेकिन दलित अधिकारी का उत्पीड़न के कारण आत्महत्या करना या उससे पहले वैज्ञानिक बनने की चाह रखने वाले छात्र रोहित वेमुला का आत्महत्या करना, तमाम मामले इस बात की गवाही चीख–चीख कर दे रहे हैं कि दलितों की स्थिति में तब तक सुधार नहीं आ सकता, जब तक इस देश से मनुवादी सोच का पूरी तरह खात्मा नहीं हो जाता। लेकिन अभी तो हाल ये है कि मनुस्मृति को ही धर्म बताकर संघ और भाजपा के समर्थकों का बड़ा हिस्सा उसे संविधान में तब्दील करने की तैयारी में है। राहुल गांधी ने इस बारे में संसद से ही देश को चेतावनी दे दी थी कि भाजपा मनुस्मृति को लागू करना चाहती है, संविधान को नहीं। लेकिन उनकी बात को राजनीति कहकर टालने की कोशिश सरकार कर रही है। हालांकि देश देख रहा है कि राहुल गांधी एक बार फिर सही साबित हो रहे हैं। पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में आरोपियों को बचाने की कोशिशें हुईं, लेकिन उनकी पत्नी अमनीत पी. कुमार जो कि खुद 2003 बैच की आईएएस अधिकारी हैं, उन्होंने इसके खिलाफ आवाज उठाई और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि, पुलिस की एफआईआर में नाम हटाए गए और एससी एसटी एक्ट के सेक्शन कमजोर किए गये। अमनीत कुमार खुद प्रशासन और कानून की बारीकियों से वाकिफ हैं, इसलिए वे समझ गईं कि आरोपियों को बचाने की कैसी चालाकी चल रही है। अगर उनकी जगह आईपीएस अधिकारी की पत्नी साधारण पृष्ठभूमि की होतीं या इस बात को नहीं समझ पाती तो शायद इस मामले में पीड़ित को ही दोषी बताकर मामला दबा दिया जाता। अब तो विपक्ष ने भी इस पर पुरजोर आवाज उठाई है। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर इसके खिलाफ लिखा, वहीं सोनिया गांधी ने एक कदम आगे बढ़कर अमनीत कुमार को ही चिट्ठी लिखी और इस संघर्ष में उनके साथ खड़े होने का यकीन दिलाया। आम आदमी पार्टी ने भी इस पर सवाल उठाए हैं कि कैसे आज भी दलितों को मध्ययुगीन प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है। विपक्ष अपना दायित्व निभा रहा है, लेकिन राज्य और केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा को इसमें राजनीति नजर आ रही है। क्या भाजपा यह नहीं जानती कि विपक्ष का काम उसकी गलतियों और कमजोरियों पर ध्यान दिलाना है, बाकी जी हुजूरी का सारा काम मीडिया तो कर ही रहा है, विपक्ष के दल भी अगर ऐसे ही सरकार की चापलूसी करने लगें तो फिर लोकतंत्र को पूरी तरह खत्म हो जाएगा। क्या भाजपा यही चाहती है कि इस देश में लोकतंत्र और संविधान न रहे। वैसे भी एनसीआरबी का डेटा बताता है– 2013–2023 के बीच दलितों पर अत्याचार 46 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति पर 91प्रतिशत तक बढ़ा है। 2023 में 57,789 दलित उत्पीड़न के मामले दर्ज हुए हैं। जिनमें उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 15,368 मामले फिर मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार जैसे भाजपा शासित राज्य है, इसे महज संयोग माना जाए या फिर मनुवादी सोच पर आधारित सरकार और प्रशासन का परिणाम। अपराधी बेखौफ हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि यहां आज भी ब्राह्मण के आगे देवता लगाकर बात करना समाज को अजीब नहीं लगता। बाबा साहेब अंबेडकर से पहले, उनके काल में और आज तक दलितों की स्थिति समाज में जस की तस है। समस्या शिक्षा की कमी नहीं, नसों में जातिवाद के फैले जहर की है, जो दलितों के लिए उच्च स्थान कतई बर्दाश्त नहीं कर पाता है।

कौन हैं अंशुल गर्ग– `एक दीवाने की दीवानियत' के लगातार म्यूजिकल हिट्स के पीछे का नाम

> अगर कोई फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही एक म्यूजिकल सनसनी बन चुकी है, तो वह है 'एक दीवाने की दीवानियत'। मिलाप मिलन जवेरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने अब तक चार लगातार हिट गाने दिए हैं, जो किसी भी फिल्म के रिलीज से पहले बहुत कम देखने को मिलता है।

अगर कोई फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही एक म्यूजिकल सनसनी बन चुकी है, तो वह है 'एक दीवाने की दीवानियत'। मिलाप मिलन जवेरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने अब तक चार लगातार हिट गाने दिए हैं, जो किसी भी फिल्म के रिलीज से पहले बहुत कम देखने को मिलता है। और इस शानदार सफलता के केंद्र में हैं अंशुल गर्ग, जो इस फिल्म के साथ बतौर फिल्म प्रोड्यूसर अपना डेब्यू कर रहे हैं। उन्होंने अपनी नई कंपनी देसी मूवीज फैक्टरी के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण किया है। बहुत से लोगों के लिए अंशुल गर्ग किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। देसी म्यूजिक फैक्ट्री और प्ले डीएमएफ के संस्थापक के रूप में वे पहले ही भारत के स्वतंत्र संगीत जगत को नई दिशा दे चुके हैं। उन्होंने देश को पिछले कुछ वर्षों में कई सुपरहिट पॉप गाने दिए हैं। मेलोडी को पहचानने की उनकी गहरी समझ और टैलेंट खोजने की उनकी क्षमता ने उन्हें म्यूजिक इंडस्ट्री का एक अहम नाम बना दिया है। अब उन्होंने म्यूजिक की दुनिया से सिनेमा की ओर कदम बढ़ाया है कृ और उनका पहला फिल्मी प्रोडक्शन पहले से ही एक म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर साबित हो रहा है।फिल्म के साउंडट्रैक की शुरुआत इसके टाइटल ट्रैक "दीवानियत" से हुई, जिसे विशाल मिश्रा ने गाया है। अपनी खूबसूरत धुन और दिल को छू लेने वाले बोलों की वजह से यह गाना तुरंत लोगों के दिलों में बस गया। इस गाने ने फिल्म के मूड को सेट कर दिया एक ऐसी कहानी का वादा करते हुए जिसमें प्यार, जुनून और दीवानगी सब कुछ है, और जिसे संगीत ने और भी गहराई दी है। दूसरा गाना "बोल कफ्फारा क्या होगा", नेहा कक्कड़ और फरहान साबरी की आवाज में, टूटे दिल की भावनाओं को सामने लाता है। रेमो डिसूजा द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह गीत अपने भव्य विजुअल्स और सोनम बाजवा व हर्षवर्धन राणे के गहरे अभिनय की वजह से खूब सराहा गया। तीसरा गाना "मेरा हुआ" एक बिल्कुल अलग एहसास लेकर आया यह गाना प्यार और तड़प का कोमल, आत्मीय और सुकून देने वाला रूप दिखाता है। इसे अंकुर आर. पाठक ने गाया और कंपोज किया है, जबकि इसके बोल सचिन उर्मतोश ने लिखे हैं। इस गीत ने फिल्म के संगीत को और भी विविध और समृद्ध बना दिया है। अब दर्शकों का उत्साह चौथे गाने "दिल दिल दिल" के लिए चरम पर है, जो कल रिलीज होने जा रहा है। इसे सुनिधि चौहान और संदीप जहान ने गाया है, इसके बोल सिद्धांत कौशल ने लिखे हैं और संगीत अनु मलिक ने तैयार किया है। यह गाना जोश, रोमांस और सिनेमा की ऊर्जा का बेहतरीन संगम होने वाला है कृ और यह इस एल्बम को और भी ऊँचाई पर ले जाने की पूरी क्षमता रखता है। अंशुल गर्ग द्वारा प्रोड्यूस और राघव शर्मा द्वारा को–प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत इन दिनों पूरे इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे इस बात के लिए भी सराहा जा रहा है कि इसने उस पुराने बॉलीवुड दौर को फिर से जीवित कर दिया है, जब फिल्मों की कहानी और भावनाएँ संगीत के सहारे आगे बढ़ती थीं। अंशुल गर्ग के लिए फिल्मों की ओर यह कदम कोई योजनाबद्ध बिजनेस मूव नहीं था, बल्कि उनके रचनात्मक सफर की स्वाभाविक अगली कड़ी थी। उन्होंने पहले ही भारत के सबसे सफल स्वतंत्र संगीत ब्रांडों में से एक बनाया है, और अब सिनेमा को उन्होंने अपनी कहानी कहने के अगले मंच के रूप में चुना है। 'एक दीवाने की दीवानियत' के जरिए उन्होंने न सिर्फ फिल्मों की दुनिया में कदम रखा है, बल्कि यह भी साबित किया है कि संगीत आधारित कहानियाँ आज भी दर्शकों के दिलों पर राज कर सकती हैं। इस दिवाली, 21 अक्टूबर 2025 को रिलीज होने जा रही 'एक दीवाने की दीवानियत' को इस साल की सबसे चर्चित रोमांटिक फिल्मों में से एक माना जा रहा है कृ और अंशुल गर्ग का यह सपना डेब्यू अब एक शानदार और यादगार म्यूजिकल फिनोमेनन बन चुका है।

गोविंदा और चंकी पांडे के साथ काजोल और ट्विंकल 90 के दशक की यादों का मनाएंगी जश्न

खिलाड़ी और नवाब की जबरदस्त मजेदार मुलाकात के बाद, प्राइम वीडियो का 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' अब लेकर आ रहा है बॉलीवुड के दो पुराने शरारती सितारों जैसे गोविंदा और चंकी पांडे को एक साथ! तैयार हो जाइए जोरदार हंसी, यादगार पलों और बॉलीवुड के सुनहरे दौर के जादू के लिए। ऐसी कहानियों को शेयर करते हुए जो किसी ने कभी नहीं सुनी हों, और अनोखे ह्यूमर और यादगार शरारतें दिखाते हुए, गोविंदा और चंकी इस एपिसोड को खुशियों का कार्निवल बनाने वाले हैं, और साथ ही अपनी खास दोस्ती की झलक भी पेश करने वाले हैं। तैयार हो जाइए अनगिनत हंसी, हैरान कर देने वाली कहानियों और उस मजे के लिए, जो सिर्फ ये दोनों लीजेंड्स ही दे सकते हैं! 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' का नया एपिसोड इस गुरुवार प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव स्ट्रीमिंग के लिए देखें, जो 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में उपलब्ध होगा।

फिल्मफेयर अवॉर्ड्स शो में बहन और भांजी के साथ दिखे अभिषेक बच्चन, मां को लगाया गले, फैंस को खली ऐश्वर्या-आराध्या की

11 अक्टूबर की रात मुंबई में शानदार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 का आयोजन किया गया, जहां सिनेमा जगत के कई दिग्गज कलाकारों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस खास शाम का एक बड़ा आकर्षण बने अभिषेक बच्चन, जिन्हें उनकी फिल्म 'ॅदज ज्व ज्ंसा' के लिए बेस्ट एक्टर अवॉर्ड से नवाजा गया। अवॉर्ड नाइट में अभिषेक बच्चन अपने परिवार (मां, बहन और भांजी) के साथ नजर आए, लेकिन इस दौरान ऐश्वर्या और उनकी बेटी आराध्या की गैर–मौजूदगी फैंस को खल गई और वायरल वीडियो पर कई सवाल करने लगे। फिल्मफेयर द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में देखा जा सकता है कि जब बेस्ट एक्टर का नाम घोषित किया गया, तो अभिषेक ने भावुक होकर अपनी मां को गले लगाया और उनके माथे पर प्यार से किस किया। यह पल देखकर दर्शकों ने भी तालियों की गड़गड़ाहट से अभिषेक का स्वागत किया। हालांकि इस मौके पर अभिषेक की पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन और बेटी आराध्या नजर नहीं आईं। उनकी अनुपस्थिति सोशल मीडिया पर चर्चा का बड़ा विषय बन गई। फिल्मफेयर द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो पर कई नेटिजन्स ने सवाल करते नजर आए। एक यूजर ने लिखा, "ऐश्वर्या राय कहां हैं? क्या उन्हें इस खुशी का हिस्सा नहीं बनने दिया गया।दूसरे ने कहा– "अभिषेक के अवॉर्ड पर पूरा परिवार मौजूद है, लेकिन ऐश्वर्या और आराध्या क्यों गायब हैं?"वहीं एक अन्य ने कहा, "जब ऐश्वर्या ने 'पोन्नियिन सेलवन' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता था, तब परिवार में से कोई उनके साथ नहीं था, और अब अभिषेक के लिए सब मौजूद हैं।जहां एक ओर फैंस अभिषेक के अवॉर्ड जीतने पर बधाई दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऐश्वर्या की अनुपस्थिति को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ यूजर्स ने इसे बच्चन परिवार की "इंटर्नल इक्वेशन" से जोड़ते हुए लिखा कि परिवार के बीच दूरियां साफ दिखाई दे रही हैं।फिलहाल, इस पूरे मामले पर बच्चन परिवार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन इतना तो तय है कि अभिषेक बच्चन ने अपने दमदार प्रदर्शन से फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 की रात को अपने नाम कर लिया।

अबू धाबी मस्जिद में जूते पहनने के आरोप पर भड़की सोनाक्षी सिन्हा, ट्रोलर्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

सोनाक्षी सिन्हा और ज़हीर इकबाल कुछ दिनों से अबू धाबी में छुट्टियां मना रहे हैं। इस अभिनेता ने हाल ही में शेख जायद ग्रैंड मस्जिद का भी दौरा किया। दबंग अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मस्जिद की अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा कीं। हालाँकि, कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आया और उन्होंने उन पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर सोनाक्षी को धार्मिक स्थल के अंदर जूते पहनने पर ट्रोल किया गया। अभिनेत्री ने भी ट्रोल को करारा जवाब दिया और कमेंट सेक्शन में करारा जवाब दिया। तस्वीरें शेयर करते हुए सोनाक्षी ने लिखा, ष्यहाँ अबू धाबी में थोड़ा सा सुखन मिला!ष् कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, ष्जूतों के सात मस्जिद में जाना बहुत बड़ा गुनाह है।ष् सोनाक्षी ने टिप्पणी को अनदेखा नहीं किया और लिखा, ष्इसीलिए जूतों के सात अंदर नहीं गए। ध्यान से देखो, मस्जिद के बाहर ही हैं हम। अंदर जाने से पहले उन्हें हमने जूते रखने की जगह दिखाई और उतार दिए। इतना तो हमें भी आता है। चलिए, अब आगे बढ़िए। (इसलिए हम जूते पहनकर अंदर नहीं गए। ध्यान से देखो, हम मस्जिद के ठीक बाहर हैं। अंदर जाने से पहले, उन्होंने हमें दिखाया कि हमें अपने जूते कहाँ रखने हैं, और हमने उन्हें उतार दिया। अब, चलो आगे बढ़ते हैं)।

मामले पर सफाई देते हुए सोनाक्षी ने कहा कि वह उस वक्त यानी कि जब तस्वीरें क्लिक की जा रही थीं, वह मस्जिद के अंदर नहीं थीं। अनुचित ट्रोलिंग का जवाब देते हुए, उन्होंने टिप्पणियों में लिखा, ष्इसीलिए जूतों के साथ अंदर नहीं गए। ध्यान से देखो मशीद के बाहर ही हैं हम। अंदर जाने से पहले उन्हें हमने जूते रखने की जगह दिखाई और उतार दिए। इतना तो हमें भी आता है। चलो अब आगे बढ़िए।ष् हम अपने जूते पहनकर अंदर क्यों नहीं गए। ध्यान से देखें – हम मस्जिद के बाहर खड़े हैं। प्रवेश करने से पहले, उन्होंने हमें दिखाया कि हमें अपने जूते कहाँ रखने हैं, और हमने उन्हें उतार दिया।

सोनाक्षी सिन्हा के जवाब पर प्रशंसकों की क्या प्रतिक्रिया थी?

प्रशंसकों ने स्थिति से धैर्यपूर्वक निपटने के लिए सोनाक्षी सिन्हा की सराहना की। कई लोगों ने यह भी देखा कि कैसे सोशल मीडिया उपयोगकर्ता अक्सर किसी स्थिति के संदर्भ को समझे बिना ही निष्कर्ष पर पहुँच जाते हैं। काम की बात करें तो, सोनाक्षी सिन्हा आखिरी बार अपने भाई कुश सिन्हा द्वारा निर्देशित फिल्म निकिता रॉय में नज़र आई थीं।

'मैं इस देश का सबसे बड़ा सुपरस्टार बनूंगा', राघव जुयाल ने कहा– शाहरुख खान को मानते हैं गुरु

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के अभिनेता राघव जुयाल का कहना है कि वह अपने आदर्श शाहरुख खान की तरह देश के सबसे बड़े सुपरस्टार बनना चाहते हैं। राघव ने एबीसीडी 2 , किल और हाल ही में वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड जैसी में अपने अभिनय से आलोचकों और अपने प्रशंसकों को प्रभावित किया है। राघव देहरादून के रहने वाले हैं, एक ऐसा शहर जो मुंबई की चकाचौंध से कोसों दूर है। शाहरुख के बेटे आर्यन खान ने द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के जरिये निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। राघव ने पीटीआई– को दिए एक साक्षात्कार में कहा, '' मैं इस धरती का सबसे बड़ा सुपरस्टार बनना चाहता हूं। मैं इस देश का सबसे बड़ा सुपरस्टार बनने जा रहा हूं। मैं सचमुच उस मुकाम तक पहुंचना चाहता हूं, और इससे कम पर मैं संतुष्ट नहीं होऊंगा। अगर मैं इससे भी ज़्यादा हासिल कर पाया, तो यह ईश्वर की कृपा होगी। मैं यहां तक पहुंचने के लिए सबसे लड़कर आया हूं, और मैं देहरादून से हूं। जैसा कि मैं कहता हूं, अगर ओखली में सर दे दिया, तो मुसलों से क्या घबराना? '' राघव को पहली बार 2011 में टेलीविजन शो डांस इंडिया डांस के दौरान देखा गया था। वह शाहरुख खान के बड़े प्रशंसक हैं। राघव ने शाहरुख की प्रशंसा करते हुए कहा, ''वह सफलता के प्रतिमानहैं – वह व्यक्ति जिसने स्वयं को शून्य से लेकर विश्व के सबसे धनी और सबसे बड़े सुपरस्टारों में से एक बनाया। आखिर ऐसा कैसे हो सकता है? दिल्ली का एक लड़का आज दुनिया का सबसे बड़ा सुपरस्टार है। मेरे लिए, वो मेरा गुरु है। वो मेरा सब कुछ है। '' राघव (34) ने याद किया कि जब वह मुंबई आए थे तो सुपरस्टार केबंगले मन्नत के सामने उनकी एक झलक पाने के लिए प्रशंसकों की भीड़ के बीच खड़े होते थे।

मिनटों में गायब होंगे चेहरे के पिंपल्स से लेकर झुर्रियां, बस इस तरह से लगाएं कच्ची हल्दी

क्या आपने कभी सोचा है कि शादी से पहले के उत्सवों के दौरान हल्दी समारोह क्यों किया जाता है? यह सदियों पुराना अनुष्ठान जोड़े के लिए एक नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक है और यह भी माना जाता है कि हल्दी जल्द ही शादी करने वाले जोड़े को बुरी नज़र से बचाता है। शादी से पहले हल्दी या कच्ची हल्दी लगाने से यह सुनिश्चित होता है कि दूल्हा और दुल्हन को चमकदार और साफ त्वचा का आशीर्वाद मिले। ऐसा इसलिए है क्योंकि हल्दी अपने उपचार, सूजन–रोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। कच्ची हल्दी खनिज और विटामिन से भरपूर होती है। यह भी माना जाता है कि पाउडर या सूखे रूपों की तुलना में इसमें कर्क्यूमिन की उच्च सांद्रता होती है। साथ ही, हल्दी उत्पादों में पाए जाने वाले रासायनिक तत्व फायदे से ज्यादा नुकसान कर सकते हैं।

त्वचा की देखभाल के लिए कच्ची हल्दी को शामिल करें

मुंहासे सबसे आम त्वचा समस्याओं में से एक है जो सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करती है। मुंहासों के इलाज के लिए कच्ची हल्दी एक बेहतरीन उपाय हो सकती है। यह त्वचा की सूजन को कम करता है और मुंहासों को रोकने में मदद करता है। इसके अलावा, फार्माट्यूटर में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है कि करक्यूमिन ब्रेकआउट से लड़ सकता है।

नेचुरल चमक

चमकदार, प्राकृतिक रूप से दमकती त्वचा पाने का सपना कौन नहीं देखता? कच्ची हल्दी के एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा को फिर से जीवंत करने, प्राकृतिक चमक देने में सहायता करते हैं। हल्दी को ज्यादा देर तक नहीं छोड़ना चाहिए नहीं तो यह त्वचा को पीलापन दे सकती है।

नमी प्रदान करता है

सर्दियों का मौसम त्वचा की कई समस्याओं के साथ आता है, जिसमें रूखापन भी शामिल है, जिससे हमारा चेहरा सुस्त दिखने लगता है। त्वचा को गहरी नमी प्रदान करने के लिए घर पर बना हल्दी मास्क या पैक लगाना बहुत उपयोगी हो सकता है। यह मृत त्वचा कोशिकाओं को भी हटाता है जिससे नई त्वचा कोशिकाओं का पुनर्जनन होता है।

समय से पहले बुढ़ापा कम करता है

यूवी किरणों और पर्यावरण प्रदूषण के संपर्क में आने से त्वचा के प्राकृतिक तेल संतुलन में बाधा आ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप महीन रेखाएं, झुर्रियां और उम्र के धब्बे सहित समय से पहले त्वचा की उम्र बढ़ने लगती है। करक्यूमिन, एक उच्च एंटीऑक्सीडेंट यौगिक होने के कारण, कोलेजन उत्पादन को बढ़ाता है और आपकी त्वचा की लोच को मजबूत करता है।

खाली पेट पपीता का सेवन किसी रामबाण से कम नहीं है, मिलते हैं जबरदस्त फायदे

स्वस्थ रहने के लिए स्वस्थ आदतें को अपनाना काफी जरुरी होता है। अगर सुबह की शुरुआत हेल्दी खाने से की जाए, तो इससे अच्छा क्या हो सकता है। रोजाना खाली पेट पपीता खाने से सेहत को जबरदस्त फायदे मिलते हैं। पपीता न्यूट्रिएंट्स का पावर हाउस होता है, इसके सेवन से सेहत मस्त रहती है। पपीता में विटामिन ए, सी, ई से लेकर माइक्रो न्यूट्रिएंट्स फोलेट, पोटैशियम, कॉपर और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है। इसके साथ ही पपीता डाइजेशन के लिए काफी बढ़िया है। आइए जानते हैं रोजाना खाली पेट नाश्ते में पपीता खाने से क्या होता है?

कब्ज और डाइजेशन की समस्या दूर होती है

यदि आपको कब्ज की दिक्कत रहती है, खाना भी नहीं पचता और अपच हो जाती है तो पपीता खाएं। पेपिन एंजाइम कब्ज से छुटकारा दिलाता है। इसके साथ ही डाइजेशन का बेहतर करता है। खाली पेट पपीता खाने से बॉडी डिटॉक्स होती है। चाहें आप शाम को भी स्नैक्स में पपीता खा सकते हैं।

पोषक तत्वों को अब्जॉर्ब करता

शाम को स्नैक्स टाइम पर पपीता खाने से करीब दो घंटे बाद पपीता खाते हैं। यह जरुरी न्यूट्रिएंट्स को तेजी से अब्जॉर्ब करता है।

बॉडी डिटॉक्स करता है

दरअसल, पपीता में फाइबर की मात्रा बहुत होती है। अगर आप खाली पेट पपीता खाते हैं तो शरीर में फाइबर का कंटेट बढ़ता है और सारे टॉक्सिंस को आसानी से बाहर निकालता है। जिससे बॉडी की सारी गंदगी बाहर आ जाती है।

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता

गौरतलब है कि खाली पेट ब्लड शुगर लेवल अचानक से बढ़ने लगता है। ऐसे में सुबह पपीता खाने से ब्लड शुगर लेवल को बढ़ने से रोकता है और ग्लाइसेमिक कंट्रोल में रखता है।

भूख कंट्रोल करता है

यदि आप खाली पेट ब्रेकफास्ट में पपीता खाते हैं तो इससे पेट भरा हुआ महसूस करता है और भूख शांत रहती है। इससे वेट लॉस में मदद मिलती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

विटामिन सी और ई से भरपूर होता है पपीता। इसके सेवन से स्किन को काफी फायदा होता है। खाली पेट खाने से स्किन के लिए जरुरी न्यूट्रिएंट्स भी बॉडी सोख लेता है। इससे स्किन चमकने लगती है और टाइट बनी रहती है। चेहरे की झुर्रियां भी गायब हो जाती है।

लिविंग एरिया को है चमकाना तो विनेगर का ऐसे करें इस्तेमाल

अगर आपके लिविंग एरिया में रखे सोफे या आर्मचेयर से थोड़ी बासी गंध आती है, तो सिरके से सफाई करें। एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में पानी और सिरका मिलाएं। अब इसमें लैवेंडर या नीलगिरी एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डालकर मिक्स करें।

लिविंग रूम घर का ऐसा हिस्सा होता है, जहां पर कोई भी व्यक्ति आकर बैठता है। ऐसे में अगर लिविंग एरिया गंदा हो या फिर वहां से अजीब सी स्मेल आ रही हो तो इससे आपकी पर्सनैलिटी पर भी नेगेटिव इफेक्ट पड़ता है। अमूमन यह देखने में आता है कि लिविंग एरिया की क्लीनिंग के लिए हम कई तरह के केमिकल बेस्ड क्लीनर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन जब ये केमिकल्स सांस के जरिए अंदर जाते हैं तो इससे आपको काफी नुकसान हो सकता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने लिविंग रूम को विनेगर की मदद से क्लीन करें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि लिविंग एरिया को क्लीन करने के लिए विनेगर का इस्तेमाल किस तरह किया जाए–

सोफे की करें सफाई

अगर आपके लिविंग एरिया में रखे सोफे या आर्मचेयर से थोड़ी बासी गंध आती है, तो सिरके से सफाई करें। एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में पानी और सिरका मिलाएं। अब इसमें लैवेंडर या नीलगिरी एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डालकर मिक्स करें। अब इसे स्प्रे करें, लेकिन फर्नीचर को बहुत गीला न करें। इसे हवा में सूखने दें।

वहीं अगर सोफे पर दाग लगा है तो 1 भाग सिरका और 1 भाग पानी के मिश्रण से दाग को साफ करें। ज़्यादा मुश्किल दागों के लिए, पहले उस जगह पर बेकिंग सोडा छिड़कें, फिर सिरका स्प्रे करें। इसे कुछ मिनट तक फ़िज़ होने दें, कपड़े से धीरे–धीरे रगड़ें और पोंछकर साफ़ करें।

विंडो को करें क्लीन

लिविंग रूम के विंडो की क्लीनिंग के लिए भी सिरके की मदद ली जा सकती है। इसके लिए आप एक स्प्रे बोतल में एक भाग सिरका और दो भाग पानी मिलाएं। अपनी खिड़कियों पर स्प्रे करें, फिर इसे माइक्रोफ़ाइबर कपड़े से पोंछें। जिद्दी दागों के लिए, थोड़ा ज़्यादा सिरका लगाकर रगड़ें, फिर साफ कपड़े से उसे क्लीन करें।

कारपेट को करें क्लीन

लिविंग रूम में रखा कारपेट बहुत जल्दी गंदा हो जाता है। ऐसे में उसे साफ करने के लिए आप सिरके का इस्तेमाल करें। इसके लिए, आप बराबर मात्रा में सिरका और पानी के मिश्रण से उस जगह को साफ करें। इसके बाद, दाग पर बेकिंग सोडा छिड़कें, इसे सूखने दें और वैक्यूम करें।

महीनों खराब नहीं होंगी मिठाई, जब आजमाएंगे स्टोर करने के ये आसान से तरीके

त्योहारों में अक्सर मिठाई बहु ज्यादा आ जाती है, जिसे संभालना बेहद मुश्किल भरा काम है। मिठाइयों में दूध, घी और अन्य सामग्री का इस्तेमाल होता है, जो जल्दी खराब हो सकते हैं, इसलिए इन्हें सुरक्षित तरीके से स्टोर करना जरूरी है। बची हुई मिठाई को सही तरीके से स्टोर करने से उनकी ताजगी बनाए रखी जा सकती है और वे जल्दी खराब नहीं होतीं। यहां कुछ आसान तरीके बताए गए हैं जिनसे आप बची हुई मिठाई को ज्यादा समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

एयरटाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें

मिठाइयों को हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखें। यह हवा के संपर्क से मिठाई को बचाता है, जिससे वह ज्यादा दिनों तक ताजगी बनाए रखती है और खराब नहीं होती। जिन मिठाइयों में दूध, क्रीम या मावा का इस्तेमाल हुआ है, उन्हें फ्रिज में रखना सबसे अच्छा है। इन्हें स्टोर करते समय एयरटाइट कंटेनर या अच्छी क्वालिटी के प्लास्टिक रैप में ढक दें। ठंडे तापमान में मिठाई ज्यादा समय तक ताजी रहती है और उसमें बैक्टीरिया नहीं पनपते, जिससे वे जल्दी खराब नहीं होतीं।

फ्रीजर में स्टोर करें

अगर मिठाई जल्दी इस्तेमाल में नहीं आनी है, तो आप इसे फ्रीजर में भी स्टोर कर सकते हैं। बस मिठाई को एयरटाइट कंटेनर में रखें या प्लास्टिक रैप से ढक दें। मिठाइयाँ फ्रीजर में कई हफ्तों तक सुरक्षित रह सकती हैं। जब इन्हें इस्तेमाल करना हो, तो निकालकर सामान्य तापमान पर पिघला लें। कुछ मिठाइयां जैसे रसगुल्ला या गुलाब जामुन में ज्यादा नमी होती है। इन्हें स्टोर करते समय एक किचन पेपर में लपेट कर रखें। इससे अतिरिक्त नमी किचन पेपर में सोख ली जाती है। मिठाई में फालतू नमी नहीं रहेगी और वह ज्यादा दिनों तक सुरक्षित रहेगी।

एक साथ अलग–अलग मिठाइयां न रखें

एक ही कंटेनर में अलग–अलग प्रकार की मिठाइयाँ रखने से उनकी खुशबू और नमी आपस में मिक्स हो सकती है, जिससे मिठाइयां जल्दी खराब हो सकती हैं। हर मिठाई का स्वाद और गुणवत्ता बरकरार रहती है। स्टोर की गई मिठाइयों को नियमित रूप से जांचते रहें ताकि अगर वे खराब होने लगें तो समय रहते उपयोग कर सकें या हटा सकें। इससे आप बचे हुए मिठाई का सही उपयोग कर पाएंगे और कोई मिठाई बर्बाद नहीं होगी।

खास मिठाइयों के लिए अलग स्टोरेज टिप्स

रसगुल्ला,गुलाब जामुन, इन्हें हमेशा उनके सिरप के साथ फ्रिज में रखें और 2–3 दिनों के भीतर इस्तेमाल कर लें।

मावा और दूध से बनी मिठाई जैसे कि खीर, बर्फी, पेड़ा – इन्हें फ्रिज में रखें और 2–3 दिनों में इस्तेमाल कर लें।

लड्डूध्बर्फी (सूखी मिठाइयां): इन्हें एयरटाइट डिब्बे में कमरे के तापमान पर रखा जा सकता है।

बेटी को पहनाना है लहंगा–चोली या सूट? इन स्टार किड्स के ट्रेडिशनल स्टाइल से लें सकते हैं आइडिया

कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज अपनी छोटी बेटियों को इंडियन आउटफिट में स्टाइल करते हैं, जिससे वे न केवल पारंपरिक लुक को अपनाते हैं, बल्कि उनकी बेटियां भी खूबसूरत और संस्कारी दिखाई देती हैं। इन स्टार किड्स से आप भी अपनी बेटी के लिए कुछ शानदार आइडियाज ले सकती हैं। आइए जानते हैं उन सेलेब्रिटीज के बारे में जिन्होंने अपनी बेटियों को इंडियन आउटफिट पहनाया और अपने फैंस को फैशन इंस्पिरेशन दी

बिपाशा बसु की बेटी देवी

बिपाशा बसु की बेटी देवी भी कई बार इंडियन वियर पहन चुकी है। हाल ही में सामने आई तस्वीरें में उननकी छोटी सी बच्ची लाल लहंगे में बेहद सुंदर लग रही थी। देवी ने मैचिंग दुपट्टा भी कैरी किया हुआ था। आप भी अपनी बेटी के इंडियन लुक के साथ ये क्यूट सा हेयरस्टाइल बना सकती हैं।

शिल्पा शेट्टी की बेटी समीशा शेट्टी कुंद्रा

शिल्पा शेट्टी की बेटी समीशा इंडियन आउटफिट्स में बेहद क्यूट लगती हैं। शिल्पा ने गणेश चतुर्थी और दिवाली जैसे त्योहारों पर समीशा को लहंगा–चोली या सलवार–कमीज में तैयार किया है। इस बेबी लहंगे से आप भी अपनी बेटी के लिए एक प्यारा और पारंपरिक लुक चुन सकती हैं।

सोहा अली खान की बेटी इनाया नौमी खेमू

सोहा अली खान की बेटी इनाया अक्सर खूबसूरत इंडियन आउटफिट्स में नजर आती हैं। इनाया को पारंपरिक कुर्ता सेट्स, लहंगा–चोली और खास मौकों पर खूबसूरत एथनिक ड्रेस पहने देखा गया है। उनकी प्यारी–सी तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होती रहती हैं और उनकी एथनिक स्टाइल छोटे बच्चों के लिए एक बेहतरीन इंस्पिरेशन है।

मीराबाई राजपूत की बेटी मीशा कपूर

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत की बेटी मीशा कपूर भी इंडियन आउटफिट्स में बेहद प्यारी लगती हैं। मीरा अक्सर मीशा को पारंपरिक कपड़ों में स्टाइल करती हैं। चाहे वह त्योहार हो या शादी का कोई खास फंक्शन, मीशा को हमेशा एथनिक ड्रेस में देखा जा सकता है। उनका लहंगा–चोली लुक या अनारकली सूट का स्टाइल आपके लिए एक आदर्श प्रेरणा हो सकता है।

ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन

ऐश्वर्या राय की बेटी आराध्या बच्चन हमेशा ट्रेडिशनल इंडियन आउटफिट्स में एलिगेंट लगती हैं। चाहे वह गणपति पूजा हो या किसी फैमिली फंक्शन में, आराध्या को अक्सर अनारकली सूट, लहंगा पहने देखा गया है। उनका ट्रेडिशनल स्टाइल आपको बेटी के लिए कुछ रॉयल और ग्रेसफुल फैशन टिप्स दे सकता है।

सनी लियोनी की बेटी निशा कौर वेबर

सनी लियोनी की गोद ली हुई बेटी निशा कौर वेबर को भी सनी ने कई मौकों पर खूबसूरत एथनिक ड्रेस में स्टाइल किया है। निशा के इंडियन वियर में लहंगा, अनारकली और कुर्ता–पायजामा सेट्स आपको अपनी बेटी के लिए त्योहारों या खास मौकों पर ड्रेस चुनने में मदद कर सकते हैं।

संक्षिप्त

अमीर खान मुत्ताकी ने भारतीय निवेशकों को अफगानिस्तान में निवेश का दिया प्रस्ताव, सुरक्षा का भरोसा भी दिलाया

अफगानिस्तान के तालिबान प्रशासन के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी का भारत में दिया गया वक्तव्य दक्षिण एशिया की कूटनीतिक परतों में नई हलचल पैदा कर गया है। उन्होंने दिल्ली में आयोजित FICCI की बैठक में कहा कि "अफगान लड़ाकू हैं, लेकिन वे उतने ही भरोसेमंद दोस्त भी हैं।" यह बयान सिर्फ व्यापारिक आमंत्रण नहीं, बल्कि तालिबान शासन की अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की कोशिश भी प्रतीत होता है। मुत्ताकी ने भारत–अफगानिस्तान के बीच बेहतर संपर्क, वीज़ा व्यवस्था में सहजता और व्यापारिक सहयोग की बात की। विशेष रूप से उन्होंने भारतीय दवा उद्योग को अफगानिस्तान में उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने का निमंत्रण दिया। यह एक ऐसा विचार है जो दोनों देशों के लिए आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो सकता है। अफगानिस्तान ने लंबे संघर्ष के बाद अब स्थिरता का दावा किया है और मुत्ताकी ने भरोसा दिलाया कि भारतीय निवेशकों के लिए वहाँ "शांतिपूर्ण माहौल" सुनिश्चित किया जाएगा। हालाँकि, इन प्रस्तावों के पीछे छिपी जटिलताएँ भी कम नहीं हैं। तालिबान सरकार को अभी तक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त नहीं है और महिलाओं व अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर गंभीर प्रश्न बने हुए हैं। भारत के लिए यह संतुलन साधने का समय हैकृ एक ओर मानवीय और व्यापारिक सहयोग की संभावनाएँ हैं, तो दूसरी ओर सुरक्षा और वैचारिक सतर्कता की आवश्यकता। दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से काबुल व कंधार के बीच एयर फ्रेट कॉरिडोर का उद्घाटन तथा चाबहार बंदरगाह के माध्यम से संपर्क बढ़ाने की चर्चा, भारत के लिए मध्य एशिया तक पहुँच का रणनीतिक अवसर बन सकती है। लेकिन यह सब तभी स्थायी होगा जब अफगानिस्तान के भीतर राजनीतिक स्थिरता और समावेशी शासन की दिशा में ठोस कदम उठें। भारत की भूमिका इस समय "सहयोगी मित्र" और "सावधान पर्यवेक्षक" दोनों की है। मुत्ताकी का यह संदेश निश्चित रूप से संवाद की खिड़की खोलता है, पर इतिहास यह सिखाता है कि अफगानिस्तान की राजनीति में भरोसे के साथ–साथ विवेक का प्रयोग भी अनिवार्य है। भारत को इस नई "दोस्ती" का स्वागत खुले मन से करना चाहिए, पर आँख मूँदकर नहीं।

अंडमान में लग्जरी रिसॉर्ट्स के लिए 12 कंपनियों ने दिखाई रुचि, पर्यटन को मिलेगा बड़ा बूस्ट

अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह एकीकृत विकास निगम लिमिटेड (एएनआईआईडीसीओ) को द्वीपसमूह में आकर्षक स्थानों पर सार्वजनिक निजी भागीदारी आधार पर 5–सितारा इको–टूरिज्म रिसॉर्ट्स के डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन, हस्तांतरण (डीबीएफओटी) के लिए अग्रणी आतिथ्य डेवलपर और निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने शहीद द्वीप (नील द्वीप), पोर्ट ब्लेयर में मेगापोड रिजॉर्ट, उत्तर एवं मध्य अंडमान में एवेस द्वीप, लॉन्ग आइलैंड और स्मिथ द्वीप के लिए डीबीएफओटी आमंत्रित किए हैं। एएनआईआईडीसीओ की प्रबंध निदेशक चंचल यादव ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, '' हमें अभी तक अच्छी प्रतिक्रिया मिली है जिसमें शहीद द्वीप परियोजना के लिए पांच बोलियां, मेगापोड रिसॉर्ट पुनर्विकास के लिए चार बोलियां, एवेस द्वीप के लिए दो बोलियां और लॉन्ग आइलैंड के लिए एक बोली शामिल है।'' केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को 12 बोलियां प्राप्त हुई हैं। बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि छह अक्टूबर थी। उन्होंने कहा, ''अभी इन बोलियों का तकनीकी मूल्यांकन किया जा रहा है। तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन पूरा होने के बाद सबसे अधिक बोली लगाने वाले को काम सौंपा जाएगा। मेगापोड रिजॉर्ट पुनर्विकास तीन वर्ष के भीतर पूरा होने की उम्मीद है, जबकि द्वीप परियोजनाओं की अनुमानित समय–सीमा चार वर्ष है।'' पांच स्थानों में से एवेस द्वीप एक ऐसा द्वीप है जहां कोई आबादी आवास नहीं करती है। यह संभवतः पहली बार है कि स्थानीय प्रशासन ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के द्वीप को खोलने का फैसला किया है। एवेस एक छोटा और सुंदर द्वीप है जिसे इसके हरे–भरे नारियल के बागानों के कारण नारियल द्वीप के नाम से भी जाना जाता है। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने इसके अलावा 14 और द्वीपों के समग्र विकास के लिए भी निविदाएं आमंत्रित की हैं। गौरतलब है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 2024 में घरेलू यात्रियों की संख्या में 120 प्रतिशत और विदेशी पर्यटकों की संख्या में 27 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई थी।

'भारत वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बनकर उभर रहा', बोलीं आईएमएफ की प्रमुख

नई दिल्ली भारत दुनिया के विकास का एक प्रमुख इंजन बनकर उभर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने यह बात कही है। 2025 आईएमएफ–विश्व बैंक वार्षिक बैठक से पहले आईएमएफ प्रमुख ने कहा, ष्मध्यम अवधि में वैश्विक विकास दर लगभग 3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह महामारी से पहले 3.7 प्रतिशत थी।ष उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक विकास के पैटर्न में बदलाव आ रहा है, विशेष रूप से चीन की विकास दर में लगातार गिरावट आ रही है। वाशिंगटन डीसी में आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में बोलते हुए जार्जीवा ने भारत को दुनिया के विकास का एक प्रमुख इंजन बताया। भारत के आर्थिक लचीलेपन का जॉर्जीवा ने चार कारण बताए। उन्होंने कहा कि बेहतर नीतिगत और बुनियादी बातों, निजी क्षेत्र के बढ़िया प्रदर्शन, शुरुआती समय में टैरिफ का आशंका से कम प्रभाव और सहायक वित्तीय स्थितियों से देश आर्थिक मोर्चे पर सशक्त बना है। हालांकि, जॉर्जीवा ने कहा कि टैरिफ का पूरा असर अभी सामने आना बाकी है। अमेरिका के बारे में बोलते हुए जॉर्जीवा ने कहा कि मार्जिन में कमी के कारण वहां कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। मौद्रिक नीति व विकास पर इसका असर पड़ने की आशंका है। जॉर्जीवा ने यह भी कहा कि वैश्विक लचीलेपन का अभी तक पूरी तरह से परीक्षण नहीं हुआ है।

गंभीर का श्रीकांत पर पलटवार: कहा- हर्षित राणा के पिता चयनकर्ता नहीं, 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बनाना शर्मनाक

नई दिल्ली। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पूर्व कप्तान क्रिस श्रीकांत द्वारा 23 वर्षीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा पर लगाए गए आरोपों पर कड़ा पलटवार किया है। मंगलवार को दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन के दौरान गंभीर ने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को ट्रोल करना और उस पर अनावश्यक आरोप लगाना पूरी तरह से शर्मनाक है।

श्रीकांत ने राणा पर साधा था निशाना

क्रिस श्रीकांत ने हाल ही में अपने यूट्यूब चौनल पर दावा किया था कि हर्षित राणा केवल इसलिए राष्ट्रीय टीम में हैं क्योंकि वह गंभीर के जी–हुजूरी करते हैं। श्रीकांत ने अपने चीकी चाका यूट्यूब चौनल पर कहा, सबसे अच्छा यही है कि हर्षित राणा की तरह गंभीर के सामने हमेशा हर बात पर हां कहने और जो कहे वो करने वाला बनो, तभी टीम में चयन हो सकेगा। टीम में केवल एक स्थायी सदस्य है और वह है हर्षित राणा। कोई नहीं जानता कि वह टीम में क्यों है। आप कुछ को उनके प्रदर्शन के बावजूद नहीं चुनते और दूसरों को चुन लेते हैं। इसलिए हर्षित की तरह गंभीर के सामने हमेशा हां करने वाला बनो।

श्रीकांत ने कहा– विश्व कप भूल जाओ

श्रीकांत ने यह भी कहा कि अगर हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल किया जाता है, तो भारत को खिताब जीतने की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए। श्रीकांत ने नीतीश रेड्डी के चयन को लेकर भी टीम मैनेजमेंट पर सवाल खड़े किए। उनका मानना है कि खिलाड़ी को वनडे फॉर्मेट में जल्दी ही एक निश्चित भूमिका में डाल दिया गया है, जबकि भारत को 2027 विश्व कप के लिए अच्छा प्रदर्शन और अनुभव वाले खिलाड़ियों पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, आपको 2027 वर्ल्ड कप के लिए टीम बनानी चाहिए। लेकिन मेरा मानना है कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। अगर आप हर्षित राणा और नीतीश रेड्डी को संभावित खिलाड़ियों में रखते हैं, तो ट्रॉफी को अलविदा कह देना चाहिए।

23 साल के खिलाड़ी को ट्रोल करना शर्मनाक

गंभीर ने वेस्टइंडीज पर भारत की टेस्ट सीरीज जीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह शर्मनाक है कि कोई व्यक्ति अपना यूट्यूब चौनल चलाने के लिए 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बना रहा है। अगर आप मुझे निशाना बनाना चाहते हैं, तो बनाइए। मैं इससे निपट सकता हूं, लेकिन यूट्यूब व्यूज के लिए 23 साल के युवा खिलाड़ी को ट्रोल करना शर्मनाक है।

राणा के पिता चयनकर्ता नहीं हैं...

उन्होंने कहा, श्उनके (राणा के) पिता चयनकर्ता नहीं हैं। उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर टीम में जगह बनाई है। इन युवा लड़कों को निशाना मत बनाइए।श भारत ने यहां दूसरे मैच में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराया। दिल्ली के क्रिकेटर राणा ने पिछले साल गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से दो टेस्ट, पांच वनडे और तीन टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे 19 अक्तूबर से शुरू होगी।

गंभीर के बयान पर राजीव शुक्ला की प्रतिक्रिया

गंभीर के बयान पर अब बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने गंभीर के बयान का समर्थन करते हुए कहा, गौतम गंभीर ने जो कहा वो बिल्कुल सही है। खिलाड़ियों के बारे में जिम्मेदारी से टिप्पणी की जानी चाहिए, वरना इससे खिलाड़ियों का मनोबल गिरता है। टीम का चयन करना चयनकर्ताओं का काम है। खिलाड़ियों के बारे में बोलने से पहले सोचना चाहिए।

जोखिम भरे निर्णय ही टीम को जीत दिलाते हैं, विंडीज का सफाया करने के बाद कप्तान गिल का टीम को संदेश

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को कहा कि वह अपनी टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवाने के लिए साहसिक निर्णय लेने में कभी हिचकिचाते नहीं हैं। गिल ने यह बयान वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में जीत के बाद दिया। उन्होंने कहा कि एक कप्तान के रूप में उन्हें परिस्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेने का अनुभव हो चुका है और वह इस भूमिका के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

खेल की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय

गिल ने बताया, श्मैं खेल की परिस्थितियों को देखकर निर्णय लेता हूं। कभी–कभी आपको ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं जो साहसिक हों। यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन सा खिलाड़ी आपके लिए विकेट ले सकता है या रन बना सकता है।श उन्होंने यह भी कहा कि वह अपनी टीम के सभी खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ काम लेने के लिए तैयार रहते हैं और उन्हें टीम के लिए जिम्मेदारी निभाना पसंद है।

फॉलो–ऑन का फैसला और आलोचना

दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को फॉलो–ऑन देने के उनके निर्णय पर कुछ आलोचना हुई कि इससे गेंदबाजों पर अतिरिक्त शारीरिक दबाव पड़ा। गिल ने इस आलोचना को खारिज करते हुए कहा, हम लगभग 300 रन से आगे थे और विकेट काफी सूखा था। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लें और पांचवें दिन हमें छह या सात विकेट लेने हों, तो यह हमारे लिए मुश्किल हो सकता है। इसलिए यह निर्णय लेना पड़ा।

गिल ने जोर देकर कहा कि कप्तानी के दौरान महत्वपूर्ण फैसलों में शामिल होना उन्हें काफी पसंद है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे अंदर का सर्वश्रेष्ठ निकालता है। मैं जिम्मेदारी निभाना पसंद करता हूं और इसे अपने तरीके से करता हूं। प्रत्येक निर्णायक पल मुझे अपने निर्णय क्षमता और नेतृत्व की परीक्षा देता है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उत्सुक

गिल ने आगे कहा कि वह रविवार से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम की कप्तानी करने के लिए उत्सुक हैं। इस सीरीज में उनके साथ सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा मौजूद रहेंगे। गिल ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा, श्विराट और रोहित ने अतीत में हमारे लिए कई मैच जीते हैं। वे पिछले 10–15 वर्षों से भारत के लिए खेल रहे हैं और उनके पास मैच जीतने का शानदार अनुभव है। हर कप्तान चाहता है कि ऐसे अनुभवी खिलाड़ी टीम में मौजूद हों। शुभमन गिल ने यह भी स्पष्ट किया कि एक कप्तान के लिए साहसिक निर्णय लेने और टीम को सही दिशा में ले जाने की क्षमता बेहद जरूरी है।

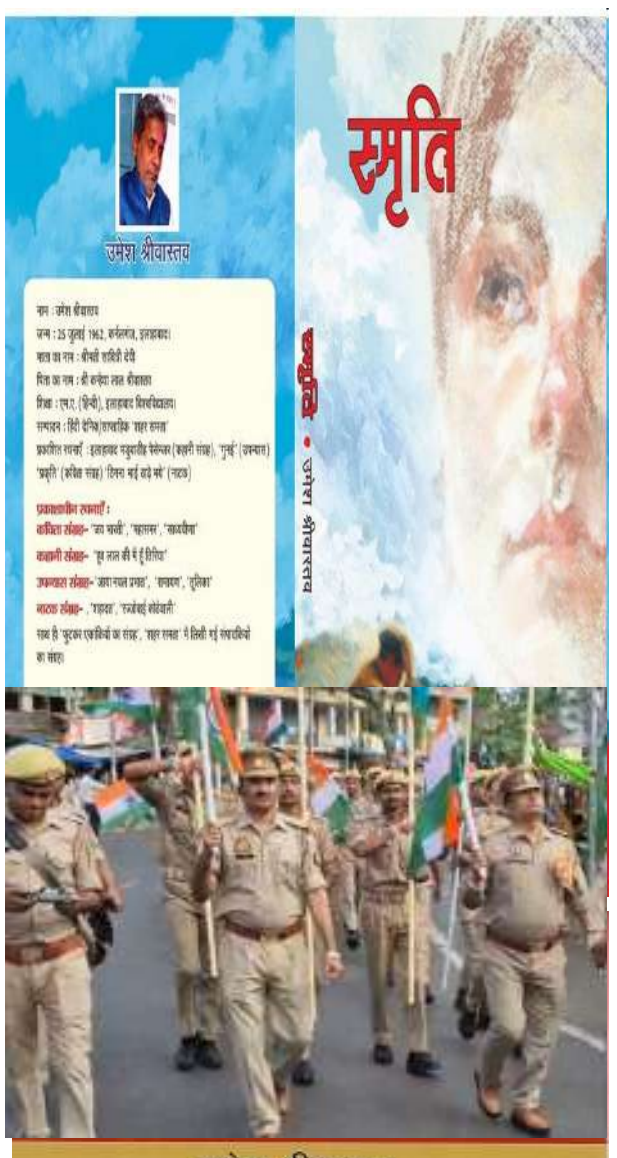

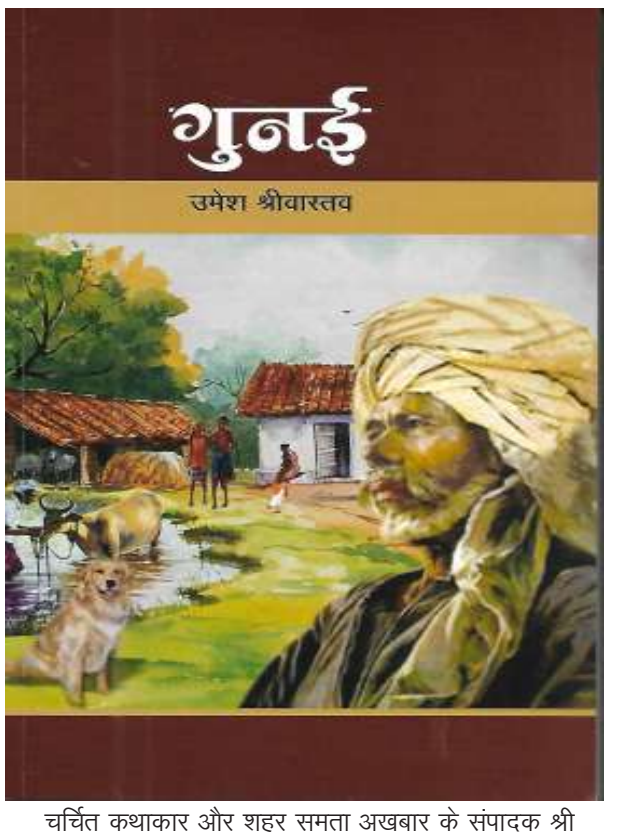

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

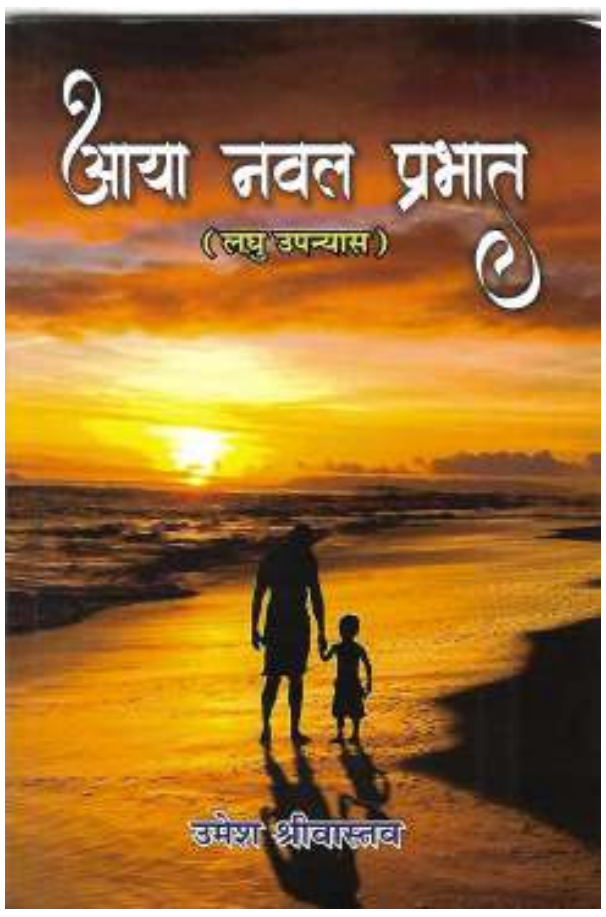

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

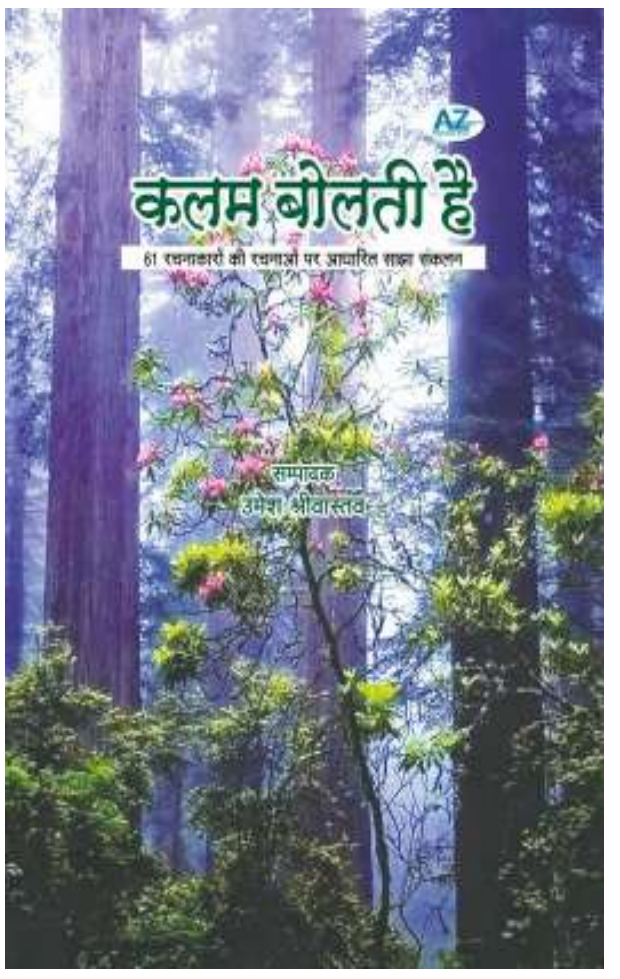

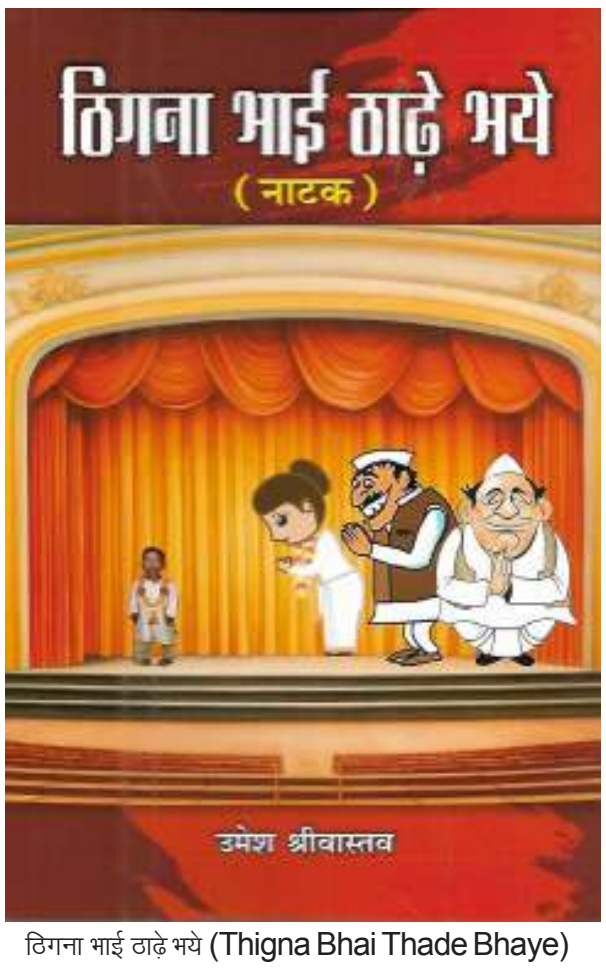

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा! कतर एयरवेज की आपात लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

दोहा से हांगकांग जा रही कतर एयरवेज की एक उड़ान को मंगलवार दोपहर तकनीकी खराबी के बाद अहमदाबाद डायवर्ट कर दिया गया। एयरलाइन ने पुष्टि की है कि उड़ान QR816 को दोपहर करीब 2:30 बजे अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एहतियातन आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। एयरलाइन के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दोहा से हांगकांग जा रही कतर एयरवेज की उड़ान फत816 को तकनीकी खराबी के कारण

अहमदाबाद डायवर्ट कर दिया गया और एहतियातन आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। विमान दोपहर करीब 2रू30 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री सुरक्षित हैं। विमान की स्थिति का आकलन करने के लिए तकनीकी जाँच की जा रही है। अहमदाबाद हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विमान चालक दल ने मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया और सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के साथ समन्वय किया। एहतियात के तौर पर आपातकालीन सेवाओं को स्टैंडबाय पर रखा गया था। लैंडिंग के बाद, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए गए। कतर एयरवेज़ के इंजीनियरों ने विमान की सेवा फिर से शुरू करने से पहले खराबी की प्रकृति का पता लगाने के लिए विस्तृत तकनीकी निरीक्षण शुरू कर दिया है।

खैबर पख्तूनख्वा के सीएम चुनाव के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर, JUI-F की मांग- रद्द किया जाए चुनाव

वर्ल्ड डेस्क, अमर उजाला, पेशावर। जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम–फजल (जेयूआई–एफ) ने मंगलवार को पाकिस्तानी हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की। याचिका में खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) के मुख्यमंत्री के चुनाव को रद्द करने और इसे श्अमान्य और रद्दश करने की मांग की गई है। सोमवार को पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के उम्मीदवार सुहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा का मुख्यमंत्री चुना गया था। इस दौरान विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया था। अफरीदी को कुल 90 वोट मिले जबकि जेयूआई–एफ, पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के किसी भी उम्मीदवार को कोई वोट नहीं मिला। पीटीआई जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी है। याचिका जेयूआई–एफ के उम्मीदवार और प्रांतीय विधानसभा के सदस्य मौलाना लुत्फुर रहमान ने दायर की। वह जेयूआई–एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के छोटे भाई हैं। रहमान ने कोर्ट से इस चुनाव को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने इसे गैरकानूनी, मनमाना और अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या पूर्व मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर का इस्तीफा औपचारिक रूप से स्वीकार किया गया है या नहीं। उन्होंने पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 130(8) का हवाला दिया। इसमें कहा गया है कि नए मुख्यमंत्री का चुनाव तभी हो सकता है, जब पहले से पद खाली हो। याचिका में विधानसभा की सभी कार्यवाहियों और अधिसूचनाओं को गैरकानूनी और अमान्य घोषित करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया कि जब तक राज्यपाल विधिवत रूप से गंडापुर के इस्तीफे की पुष्टि नहीं करते, तब तक चुनाव के नतीजों पर रोक लगाई जाए। साथ ही संविधान और विधानसभा के नियमों के अनुसार मतदान कराया जाए। रहमान ने कहा, यह कदम इसलिए जरूरी है ताकि अराजकता से बचा जा सके और कानून का शासन स्थापित हो। इस याचिका में खैबर पख्तूनख्वा सरकार, राज्यपाल फैसल करीम कुंडी, प्रांतीय विधानसभा के स्पीकर बाबर सलीम स्वाती, विधानसभा सचिव, पूर्व मुख्यमंत्री गंडापुर और नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री अफरीदी को पक्षकार बनाया गया है। इस बीच, पेशावर हाईकोर्ट (पीएचसी) मंगलवार को अफरीदी के शपथ ग्रहण पर सुनवाई करेगी।

चार दोस्तों को बचाकर खुद हमास के चंगुल में फंसे, अब इस्राइल को सौंपा गया इस हिंदू बंधक का शव

तेल अवीव। इस्राइल और हमास के बीच युद्धविराम के बाद अब बंदियों की अदला–बदली का दौर शुरू हो चुका है। हमास ने 20 जीवित बंदियों को रिहा किया। इसी के साथ दूसरी तरफ हमास की सशस्त्र शाखा अल–कसम ब्रिगेड्स ने 4 मृत इस्राइल बंधकों के नाम सार्वजनिक कर, उनके शव सौंप दिए हैं, जिनमें से एक हिंदू छात्र बिपिन जोशी का शव भी शामिल है, जिनकी मौत की पुष्टि कर दी गई है। हमास ने अपहृत बंदी बिपिन जोशी का शव दो साल से ज्यादा समय के बाद इस्राइल को लौटा दिया गया है। 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान बिपिन जोशी को उनकी बहादुरी के लिए जाना जाता था।

उन्होंने बड़ी बहादुरी के साथ उसके 4 दोस्तों को बचाया था। बिपिन जोशी, जो कि नेपाली छात्र थे, हमास के हमले के समय 22 वर्ष के थे और गाजा सीमा के पास किबुत्ज़ अलुमिम में एक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नेपाल से आए थे। माना जाता है कि वह गाजा में जीवित बचे एकमात्र गैर–इस्राइली और हिंदू बंधक थे। सोमवार देर रात हमास ने उनका शव इस्राइली अधिकारियों को सौंप दिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

डोनाल्ड ट्रंप ने शहबाज़ शरीफ़ के सामने `मोदी' की तारीफ़ की, भारत को `महान देश' बताते हुए कहा- मोदी मेरे अच्छे दोस्त है...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उनका मानना ध्है कि भारत और पाकिस्तान ष्बहुत अच्छे से साथ रहेंगेष्। उन्होंने मिस्र में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के पीछे खड़े होने पर शहबाज शरीफ की ओर इशारा किया। इस टिप्पणी पर मेहमान नेता हंस पड़े। ट्रंप ने शर्म अल–शेख में कैमरों की ओर मुस्कुराते हुए पत्रकारों से कहा भारत एक महान देश है जिसके शीर्ष पर मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त है। और उसने बहुत अच्छा काम किया है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत बहुत अच्छे से साथ रहेंगे। गाजा में इज़राइल–हमास युद्ध समाप्त होने के बाद युद्धविराम समझौते के बाद मिस्र के इस शहर में विश्व नेताओं के एक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए ट्रंप ने मंच से कहा कि उन्हें लगता है कि भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगे। ट्रंप ने अपने पीछे खड़े पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर देखते हुए हंसते हुए जवाब दिया ष्भारत एक महान देश है जिसके शीर्ष पर मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त है और उसने बहुत अच्छा काम किया है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत साथ मिलकर बहुत अच्छे से रहेंगे। इससे पहले, शरीफ और अपने ष्पसंदीदा फील्ड मार्शलष पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की प्रशंसा करते हुए, ट्रंप ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को सभा को संबोधित करने के लिए भी आमंत्रित किया। शरीफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के अथक और अथक प्रयासों के बाद मध्य पूर्व में शांति स्थापित हुई है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके उत्कृष्ट (और) असाधारण योगदान के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था, जिसमें उन्होंने पहले भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका और फिर अपनी अद्भुत टीम के साथ युद्धविराम करवाया। शरीफ ने कहा कि वह न केवल दक्षिण एशिया में बल्कि मध्य पूर्व में भी लाखों लोगों की जान बचाने के लिए ट्रंप को फिर से नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करना चाहेंगे। नोबेल शांति पुरस्कार से चूकने के बाद, ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध सहित आठ युद्धों को सुलझाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह नोबेल पुरस्कार के लिए नहीं किया। ट्रंप अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध सहित सात संघर्षों को सुलझाने का दावा करते रहे हैं। हालाँकि, अब उन्होंने इज़राइल–गाज़ा संघर्ष को जोड़कर यह संख्या आठ कर दी है। 10 मई को, ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता के बाद भारत और पाकिस्तान ष्पूर्ण और तत्कालष युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। भारत का कहना है कि दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (क्ळडव्) के बीच सीधी बातचीत के माध्यम से शत्रुता समाप्त करने पर सहमति बनी थी।

गाज़ा शांति शिखर सम्मेलन में भारत

गाज़ा शांति शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने किया, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद ट्रंप से आधिकारिक रूप से मिलने वाले पहले भारतीय मंत्री हैं। सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष दूत के रूप में शामिल हुए। एक्स पर एक पोस्ट में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत इस ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करता है और आशा करता है कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता में ट्रंप के अटूट शांति प्रयासों की भी प्रशंसा की। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने शेष 20 जीवित बंधकों की वापसी का भी स्वागत किया, जिन्हें हमास ने दो साल से अधिक समय तक बंदी बनाकर रखा था और जिन्हें गाजा शांति योजना के पहले चरण के तहत मुक्त किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ष्हम दो साल से अधिक समय तक बंदी रहने के बाद सभी बंधकों की रिहाई का स्वागत करते हैं। उनकी स्वतंत्रता उनके परिवारों के साहस, राष्ट्रपति ट्रंप के अटूट शांति प्रयासों और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के दृढ़ संकल्प को श्रद्धांजलि है। हम क्षेत्र में शांति लाने के राष्ट्रपति ट्रंप के ईमानदार प्रयासों का समर्थन करते हैं। शिखर सम्मेलन का समापन अरब और मुस्लिम जगत के नेताओं के साथ ट्रंप द्वारा एक ऐतिहासिक युद्धविराम दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करने के साथ हुआ। इस शिखर सम्मेलन में अरब और मुस्लिम जगत के नेताओं ने भाग लिया, जिसे ट्रम्प ने इजरायल और हमास के बीच दो वर्षों के विनाशकारी संघर्ष के बाद मध्य पूर्व के लिए नया और सुंदर दिन बताया।

पाकिस्तान पर हो गया तालिबान से भी 10 गुणा बड़ा हमला, इजरायल ने मचाया कोहराम

पाकिस्तान पर तालिबान से भी 10 गुणा ज्यादा बड़ा हमला हुआ है। 250 से ज्यादा पाकिस्तानी लोग और नेता मारे गए हैं। जबकि 1500 से ज्यादा घायल हैं। मौत का आंकड़ा 500 पार कर सकता है और हालात नहीं सुधरे तो 1000 भी हो सकता है। आप मान कर चलिए कि पाकिस्तान के हालात बिगड़ने वाले हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ देश से गायब हैं और जिस वजह से वो गायब हैं उसी कारण पाकिस्तान पर बड़ा हमला हुआ है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि पाकिस्तान पर हुए इस बड़े हमले के पीछे इजरायल का एक बहुत बड़ा ऐंगल है। इजरायल से आई कुछ तस्वीरों की वजह से पाकिस्तान में हजारों लोगों ने अपनी ही सेना और सरकार पर हमला कर दिया। अब इन्हीं लोगों को पाकिस्तान की सेना चुन चुनकर मार रही है। सबसे भयानक हालात मुरीदके के हैं। ये वही मुरीदके है जहां भारत ने ऑपरेशन सिंदूर करके हाफिज सईद के लश्कर ए तैयबा का हेडक्वार्टर उड़ा दिया था। लेकिन आज पाकिस्तान के ही लोगों ने मुरीदके को जलाकर राख कर दिया है। मुरीदके के अलावा लाहौर, इस्लामाबाद, रावलपिंडी, गुजरेवाला, शेखपपुरा और फैसलाबाद में भी बड़े हमले हो रहे हैं। कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और इंटरनेट बंद कर दिया गया है। दरअसल, पाकिस्तान में ये सबकुछ इजरायल और अमेरिका की वजह से हो रहा है। हजारों लोगों ने अपने ही देश पर हमला कर दिया है। वो सभी तहरीक ए लब्बैक यानी टीएलपी के प्रदर्शनकारी हैं जो 9 अक्टूबर से ट्रंप के गाजा में पीस प्लान का विरोध कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से कहा था कि पाकिस्तान को भी गाजा पीस प्लान का समर्थन करना होगा। ट्रंप ने शहबाज शरीफ से कहा था कि ट्वीट करके इसकी जानकारी इजरायल और दुनियाभर के नेताओं को देनी होगी। शहबाज ने ठी वही किया। इस डील को समर्थन करने का मतलब है कि पाकिस्तान अब इजरायल को एक देश के रूप में देखेगा। पाकिस्तान अब तक इजरायल को एक देश ही नहीं मानता था। करोड़ों पाकिस्तानी इजरायल को एक शैतान मानते थे। लेकिन उनकी ही सरकार इजरायल के साथ जाकड़ खड़ी हो गई। इज़राइल द्वारा गाजा में की गई हत्याओं के विरोध में गुरुवार को शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन शनिवार को और तेज़ हो गया जब पुलिस ने कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें द डॉन की रिपोर्ट के अनुसार दर्जनों पुलिसकर्मी घायल हो गए। लाहौर के आज़ादी चौक के पास झड़पें तेज़ हो गईं, जहाँ कई पुलिस वाहनों में आग लगा दी गई और कई अधिकारी घायल हो गए। कई इलाकों में पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए, शिपिंग कंटेनर रख दिए और यहाँ तक कि खाइयाँ भी खोद दीं ताकि टीएलपी के हज़ारों प्रदर्शनकारियों को, जिनका नेतृत्व संगठन के प्रमुख साद रिज़वी कर रहे थे, इस्लामाबाद की ओर अमेरिकी दूतावास के पास प्रदर्शन करने से रोका जा सके। लाहौर इस्लामाबाद से लगभग 370 किलोमीटर दूर है।

नेपाल के बाद आया मैडागास्कर का नंबर, Gen Z के आंदोलन ने पलट दी सत्ता, राष्ट्रपति एंड्री राजोएलीना देश छोड़ कर भागे

मैडागास्कर में जो कुछ हुआ उसने यह साबित कर दिया कि जनरेशन ज़ी (Gen Z) अब सिर्फ़ सोशल मीडिया पर शोर मचाने वाली पीढ़ी नहीं रही, यह वह वर्ग है जो सत्ता की कुर्सियाँ हिला सकता है। हम आपको बता दें कि हफ्तों तक चले युवा–नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद हालात उस बिंदु पर पहुँच गए जब मैडागास्कर की एक अभिजात सैन्य इकाई CAPSAT ने प्रदर्शनकारियों का साथ दे दिया और राष्ट्रपति एंड्री राजोएलीना से इस्तीफे की माँग कर डाली। इसके साथ ही सत्ता का तख्ता पलट गया, और राजोएलीना देश छोड़कर भाग गए। यह दृश्य केवल एक अफ्रीकी द्वीप देश का राजनीतिक संकट नहीं थाकृ यह उस नई वैश्विक प्रवृत्ति का प्रतीक है जिसमें युवा पीढ़ी राजनीतिक परिवर्तन की निर्णायक ताकत बन चुकी है। हम आपको बता दें कि मैडागास्कर के 31 मिलियन नागरिकों वाले इस द्वीप में 25 सितंबर से शुरू हुए विरोध पहले तो जल व बिजली संकट के खिलाफ़ थे, लेकिन जल्द ही ये आंदोलन भ्रष्टाचार, बेरोज़गारी और राजोएलीना के दोहरे नागरिकता विवाद के खिलाफ़ जन–विद्रोह में बदल गए।

राष्ट्रपति पर फ्रांसीसी नागरिकता रखने का आरोप लंबे समय से जन–असंतोष को भड़का रहा था, ऐसे में ब्।ै।ज् नामक सैन्य इकाई जो 2009 में राजोएलीना को सत्ता में लाई थी, वह भी उनके ख़िलाफ़ खड़ी हो गई। इस तरह इतिहास ने खुद को दोहरा दिया। राष्ट्रपति ने सोमवार रात एक गुप्त स्थान से अपने संबोधन में कहा कि "मैंने अपनी जान की रक्षा के लिए सुरक्षित स्थान की तलाश की।" लेकिन यह संदेश भी टीवी पर नहीं, बल्कि फेसबुक पेज के ज़रिए जारी हुआ।

हम आपको बता दें कि सेना के भीतर भी अब ब्।ै।ज् का प्रभुत्व है, जिसे गार्ड और अन्य सैन्य गुटों का समर्थन मिल चुका है। कर्नल माइकल रैंड्रियनरीना का बयान कि "हमने जनता की पुकार सुनी है, यह तख्तापलट नहीं, जनादेश की आवाज़ है," बताता है कि अब सेना भी अपने वैधता–स्रोत को "जनता" से जोड़ना चाहती है, न कि राष्ट्रपति से। यह एक बड़े परिवर्तन की दिशा में संकेत है कि सत्ता अब केवल चुनावी वैधता से नहीं, बल्कि सामाजिक और डिजिटल वैधता से भी तय हो रही है।

ट्रंप की चमचागिरी करते हुए शहबाज ऐसा क्या बोल गए ? मुंह दबाकर हंसने लगी मेलोनी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्रेडिटजीवि बनने की पूरी कोशिश में लगे रहते हैं। उन्होंने नोबेल प्राइज चाहिए था, लेकिन वो मिल न सका। लेकिन काम उन्होंने अभी भी नहीं छोड़ा है। शांति के प्रयासों में वो लगे हुए हैं और अगर आपको ये यकीन नहीं होता तो मिस्र से आई खबर इसकी बानगी है। जहां ट्रंप डंके

के बीच ऐलान कर रहे हैं कि गाजा और इजरायल के बीच का युद्ध उन्होंने खत्म करवा दिया। इसके बाद जब वो भाषण दे रहे हैं तो पाकिस्तान को भी सलाह देते नजर आए हैं। तभी अचानक वहां एक ऐसा मौका भी आया जिसे जानकर आप भी अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। जैसे किसी बच्चे से बड़े अभिवावक कहते हैं न कि अच्छे बच्चे की तरह अब तुम नहीं लड़ाई करोगे। उसी तरह ट्रंप ने शहबाज शरीफ से कहा कि अच्छे से रहोगे तो उन्होंने कहा जी बिल्कुल अच्छे से रहेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर गाजा–इजरायल के बीच युद्ध विराम कराने का क्रेडिट लिया है। हालांकि मिस्र में जब ये समझौता हुआ तो हमास की तरफ से कोई नहीं था। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि एकतरफा कैसे ये समझौता हो सकता है। या फिर ये भी कुछ दिनों की शांति है। गाजा में शांति स्थापना को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर गंभीर चर्चा चल रही थी। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मौके को एक बार फिर ट्रंप की चापलूसी में बदल दिया। शांति शिखर सम्मेलन के मंच से शहबाज ने ट्रंप को शांति का मसीहा घोषित करते हुए न सिर्फ उनकी तारीफों के पुल बांधे बल्कि एक बार फिर उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने का प्रस्ताव भी दे डाला। शहबाज की ये भाषणबाजी सुनकर वहां मौजूद कई नेता हैरान रह गए। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का चेहरा भी ये सुनते हुए कुछ कह रहा था कि मानो कुछ सोच रही हो कि ये मंच गाजा के लिए है या ट्रंप के लिए। शहबाज शरीफ ने अपने भाषण की शुरुआत ट्रंप के गाजा के लिए किए अथक प्रयासों की तारीफों से की और कहा कि आज का दिन समकालीन इतिहास का सबसे महान दिन है क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप की कोशिशों से गाजा में शांति आएगी। यही नहीं उन्होंने दावा किया कि ट्रंप की टीम ने पहले भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका और फिर युद्ध विराम करवाकर दक्षिण एशिया में शांति ला दी। यानी एक बार फिर पाकिस्तान ने भारत पाक संघर्ष में ट्रंप को झूठा क्रेडिट थमा दिया। पाकिस्तान अपने झूठ से इस बार भी दुनिया को गुमराह कर रहा था। शहबाद अपनी चापलूसी में लगे हुए थे। लेकिन ये देखकर सभी नेता असहज हो रहे थे। मेलोनी का रिक्शन भी अपने आप में बहुत कुछ बयान करता है। ऐसे में सवाल ये है कि जिस मंच पर गाजा जैसे गंभीर मसले पर चर्चा होनी है। वहां पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भारत पाक संघर्ष को घसीटते हुए ट्रंप को हीरो बनाने की कोशिश में लगे रहे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।